कोटद्वार,रविवार
17 दिसम्बर 2023
वर्षः 45
अंकः 226 पृष्ठः 8
मूल्यः 2.00
RNI-35469/79

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2021-23 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक बार फिर कोविड ने बढ़ाई चिंता

केरल की महिला में सब वेरियंट जेएन.1 की पुष्टि

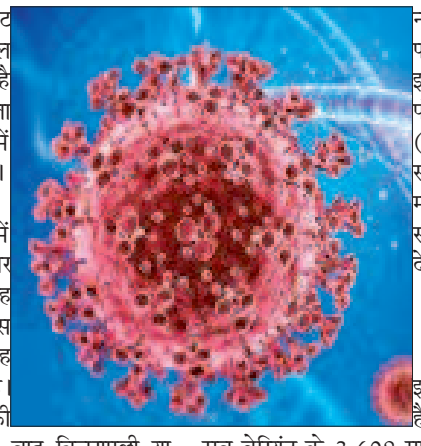

नई दिल्ली। कोविड–19 के सब वेरियंट जेएन.1 का एक मामला आठ दिसंबर को केरल में सामने आया है। अधिकारिक सूत्रों ने कहा है कि आरटी पीसीआर जांच में 79 वर्षीय महिला का सैंपल पॉजीटिव पाया गया। महिला में इन्फ्लूएंजा जैसे हल्के लक्षण नजर आ रहे थे।

सिंगापुर से तमिलनाडु आया संक्रमण

सूत्रों का कहना है कि भारत में वर्तमान में कोविड के 90 प्रतिशत मामले काफी कमजोर हैं। अधिकतर पीड़ित होम आइसोलेशन में रह रहे हैं। इससे पहले सिंगापुर में एक भारतीय इस सब वेरियंट जेएन.1 से पीड़ित मिला था। वह तमिलनाडु के त्रिचुरापल्ली का रहने वाला है। उसने 25 अक्टूबर को सिंगापुर की यात्रा की थी। हालांकि, उसके संक्रमित पाए जाने के बाद त्रिचुरापल्ली या तमिलनाडु के अन्य किसी स्थान पर कोविड के मामले में किसी तरह की वृद्धि नहीं देखी गई।

लक्जमबर्ग में मिला पहला केस

वहीं, भारत में जेएन.1 सब वेरियंट का कोई अन्य मामला सामने नहीं आया है। जेएन.1 सब वेरियंट सबसे पहले लक्जमबर्ग में पहचाना गया था। इसके बाद यह दुनिया के अन्य स्थानों में फैल गया। यह पिरोला वेरियंट (बीए.2.86) का वंशज है। इसमें स्पाइक प्रोटीन में महत्वपूर्ण संख्या में म्यूटेशन की क्षमता है, जो बढ़ती संक्रमकता और प्रतिरक्षा तंत्र को धोखा देने की क्षमता रखता है।

दुनिया भर में 3 हजार से अधिक संक्रमित

सूत्रों का कहना है कि मौजूदा वैक्सीन इस सब वेरियंट से सुरक्षा देने में कारगर है। वैश्विक तौर पर पिरोला वेरियंट और सब वेरियंट के 3,608 मामले अबतक सामने आ चुके हैं। इनमें से अधिकांश यूरोप और उत्तरी अमेरिका से सामने आए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के शनिवार के आंकड़ों के अनुसार, भारत में एक दिन में 339 नए कोविड–19 संक्रमणों के मामले सामने आए हैं, जबकि सक्रिय मामले बढ़कर 1,492 हो गए हैं।

मुख्यमंत्री ने शहीद स्क्वाड्रन लीडर अभिमन्यु राय के आवास पर जाकर दी श्रद्धांजलि

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को शहीद स्क्वाड्रन लीडर अभिमन्यु राय के जैनतंवाला स्थित आवास पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और शोकाकुल परिजनों को ढांढस बंधाया। उन्होंने इस दौरान शहीद के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने और शोक संतप्त परिजनों को यह असीम कष्ट सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की। इस अवसर पर प्रदेश के सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी भी उपस्थित रहे।

IHMS KOTDWAR
Institute of Hospitality, Management & Sciences
"Journey Towards Excellence"
17 Years of Excellence in Education
ESTD. 2006
Veer Madho Singh Bhandari Uttarakhand Technical University, Sri Dev Suman Uttarakhand University, Hemvati Nandan Bahuguna Garhwal University (A Central University)
Approved By: All India Council of Technical Education (AICTE), Government of Uttarakhand and Ministry of Education
Admissions Open 2024-25
LIMITED SEATS
CHM
(CERTIFICATE IN HOTEL MANAGEMENT)
WINTER BATCH
Admissions Start For (January 2024)
JOB OPPORTUNITIES
RAMADA · THE FERN · CROWNE PLAZA · JAYPEE HOTELS & RESORTS · COUNTRY · COURTYARD AHMEDABAD · SAYAJI · WELCOMHOTEL · PRIDE · HYATT · TAJ HOTELS & RESORTS · Marriott HOTELS & RESORTS · RAFFLES
PROGRAMMES AVAILABLE
M.B.A. 2 Years | M.C.A 2 Years | B.H.M. 4 Years | B.B.A. 3 Years | B.C.A. 3 Years | B.Sc. IT 3 Years | C.H.M. 1 Year
Mob.: 7902000023, 8057726863
Balbhadrapur, B.E.L. Road, Kotdwar-246149(UK)
Email:Info@ihms.ac.in, ihmskotdwar1@gmail.com | Web: www.ihms.ac.in

विजय दिवस के अवसर पर सीएम धामी ने शहीद स्मारक पर पुष्प चक्र अर्पित कर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को गांधी पार्क, देहरादून में विजय दिवस के अवसर पर शहीद स्मारक पर पुष्प चक्र अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। विजय दिवस पर मुख्यमंत्री ने भूतपूर्व सैनिकों, वीरांगनाओं को शॉल ओढ़ाकर और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। विजय दिवस के अवसर पर आयोजित निबंध एवं कला प्रतियोगिता में प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं को भी मुख्यमंत्री ने सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर घोषणा की कि सैनिक आश्रितों को भर्ती पूर्व दिये जाने वाले प्रशिक्षण के दौरान भोजन व्यवस्था के लिए प्रतिदिन दी जाने वाली धनराशि 80 रूपये से बढ़ाकर 225 रूपये प्रति प्रशिक्षणार्थी की जायेगी। राज्य के गढ़वाल और कुमांऊ मण्डल में सैनिक आश्रित युवाओं को सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा 56 दिनों का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन भारतीय सेना के वीर जवानों के अदम्य साहस, शौर्य और पराक्रम का उत्सव मनाने का दिन है। 1971 का युद्ध अमानवीयता पर

मानवता, दुराचार पर सदाचार और अन्याय पर न्याय की जीत का युद्ध था। आज ही के दिन वर्ष 1971 में पाकिस्तान के 93,000 से अधिक सैनिकों ने हमारे वीर बहादुर सैनिकों के समक्ष घुटने टेके थे। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद, किसी भी सेना का यह सबसे बड़ा आत्मसमर्पण था। यह युद्ध भारत के वीरों के अटल संकल्प और बलिदान का प्रत्यक्ष उदाहरण था। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की भूमि, देवभूमि होने के साथ–साथ पराक्रम और बलिदान की भूमि भी है। 1971 के भारत–पाक युद्ध में वीर भूमि उत्तराखंड के 255 जवानों ने भारत मां की रक्षा के लिए अपने प्राणों का उत्सर्ग किया था। इस युद्ध में अपने अदम्य साहस और पराक्रम का परिचय देने वाले प्रदेश के 74 सैनिक विभिन्न वीरता पदकों से सम्मानित हुए थे। ऐसे सभी वीरों के बलिदान की अमर गाथाएं आज भी हमारे युवाओं को प्रेरणा देने का काम करती हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन के अनुरूप देहरादून में पांचवे धाम सैन्य धाम का निर्माण कार्य प्रगति पर है। यह धाम उन सभी वीरों को हमारी ओर से एक विनम्र श्रद्धांजलि होगी जिन्होंने अपने प्राणों की परवाह किये बिना तिरंगे की शान के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे। यह सैन्य धाम आने वाली पीढ़ियों के लिए राष्ट्र आराधना के एक दिव्य प्रेरणा पुंज के रूप में कार्य करेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जवानों का मनोबल तेजी से बढ़ा है। आज हमारे सैनिक अत्याधुनिक हथियारों से लैस हैं, उनकी सहायता और सुरक्षा के लिए विश्व स्तरीय उपकरण उपलब्ध करवाए जा रहे हैं।

आज हमारे सैनिकों का मनोबल इतना ऊंचा है कि वो दुश्मन के घर में घुस कर उस पर कार्रवाई करने में समर्थ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड के मुख्य सेवक के रूप में उनका प्रयास रहता है कि सैन्य परिवारों के लिए विशेष योजनाएं बने, जिससे एक सैनिक को युद्ध में लड़ते समय अपने परिवार की चिंता न हो। राज्य सरकार प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में सैनिकों और उनके परिवार को मिलने वाली सुविधाओं में वृद्धि करने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। राज्य सरकार ने उत्तराखण्ड के वीरता पदक से सम्मानित सैनिकों को देय एकमुश्त अनुदान राशि में भी वृद्धि की है। जिसके तहत परमवीर चक्र से सम्मानित सैनिक को 30 लाख से 50 लाख, महावीर चक्र 20 लाख से 35 लाख, कीर्ति चक्र 20 लाख से 35 लाख, वीर चक्र और शौर्य चक्र 15 से 25 लाख और सेना गैलेंट्री मेडल 07 लाख से 15 लाख करने को मंजूरी दी गई।

उत्तराखण्ड से द्वितीय विश्व युद्ध में भाग लेने वाले सैनिकों की वीरांगनाओं एवं वेटरन की पेंशन प्रतिमाह 8 हजार रूपये से बढ़ाकर 10 हजार रूपये की है। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और उनकी विधवाओं की प्रतिमाह पेंशन 21 हजार से बढ़ाकर 25 हजार की गई है। इस अवसर पर सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी, विधायक खजान दास, सचिव सैनिक कल्याण दीपेन्द्र चौधरी, जिलाधिकारी देहरादून सोनिका, एसएसपी अजय सिंह, निदेशक सैनिक ब्रिगेडियर कल्याण अमृत लाल (से.नि), मेजर जनरल सम्मी सबरवाल(से.नि), रियर एडमिरल ओ.पी.सिंह राणा(से.नि), ब्रिगेडियर के.जी बहल(से.नि) एवं पूर्व सैन्य अधिकारी और वीरांगनाएं उपस्थित थे।

एक नजर

रिलायंस शोरूम लूट के मुख्य आरोपी को दून लाई पुलिस

देहरादून। देहरादून में रिलायंस ज्वेलरी शोरूम से 14 करोड़ के गहने लूटने के मामले में बिहार से गिरफ्तार मुख्य आरोपी प्रिंस कुमार को पुलिस ट्रांजिट रिमांड पर देहरादून ले आई है। उस पर दो लाख रुपये का ईनाम घोषित था। आरोपी पर पूर्व में हत्या, हत्या का प्रयास, डकैती आदि के मामले दर्ज हैं। एसएसपी अजय सिंह ने शनिवार को प्रेसवार्ता में बताया कि रिलायंस डकैती मामले में प्रिंस कुमार को वैशाली बिहार से गिरफ्तार किया गया था। उसने बताया कि बिहार जेल में बंद शशांक और सुबोध के कहने पर उसने डकैती की साजिश रची। घटना से पहले वो अभिषेक, विक्रम, राहुल, अविनाश के साथ बिहार से सहारनपुर आया था। सहारनपुर में से प्रिंस और अभिषेक उतर गए, जबकि बाकी आरोपी अम्बाला चले गए थे। घटना के बाद लूटी गई ज्वैलरी से भरे बैग राहुल और अविनाश की बाइक में रखवाया गया। जो तय रूट से सहसपुर क्षेत्र में पहुंचे। पुलिस की सघन चैकिंग की सूचना मिलने पर आरोपियों ने बाइक और कार जंगल में ही छोड़ दी। यहां से प्रिंस ई–रिक्शा में बैठक पोंटा साहिब की तरफ चला गया गया। उसने बताया कि पोंटा साहिब से राहुल और अविनाश ज्वैलरी लेकर चले गये थे।

शहीद वीरांगना का हाल जानने घर पहुंची इंटेलिजेंस कोर की टीम

देहरादून। कर्नल कमांडेंट इंटेलिजेंस कोर लेफ्टिनेंट जनरल प्रदीप कुमार चहल की पहल पर इंटेलिजेंस स्कूल के जवानों ने क्लेमनटाउन में शहीद हवलदार अशोक थापा(सेना मेडल, मरणोपरांत) के परिवार का हाल चाल जाना। उन्होंने शहीद की पत्नी को गौरव पत्र देकर सम्मानित किया। लेफ्टिनेंट जनरल चहल द्वारा भारत के ऐसे ही वीर सपूतों के शौर्य और साहस को कभी न भूलने के लिए के लिए यह पहल शुरू की गई है। उन्होंने देश के लिए सवीच्च बलिदान देने वाले वीर सपूतों के परिजनों का ख्याल रखने और उनका हाल चाल जानने की जिम्मेदारी ली है। इसके लिए उन्होंने इंटेलिजेंस कोर के हर एक जवान को जिम्मेदारी सौंपी है। जिस क्रम में शनिवार को गढ़ी कैंट की इंटेलिजेंस के जवान क्लेमेंटटाउन निवासी शहीद हवलदार अशोक थापा के घर पहुंचे। उन्होंने बताया कि भारतीय सेना द्वारा 1994 में चलाए गए आपरेशन हिफाजत के तहत 57 माउंटेन डिवीजन की इंटेलिजेंस और फील्ड सिक्योरिटी कंपनी मणिपुर में तैनात हवलदार अशोक थापा नौ जून 1994 शहीद हो गए थे।

राज्यपाल ने किया वैली ऑफ वर्ड्स, इंटरनेशनल लिटरेचर एंड आर्ट फेस्टिवल के 7वें संस्करण का शुभारंभ

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने शनिवार को मधुबन होटल में वैली ऑफ वर्ड्स, इंटरनेशनल लिटरेचर एंड आर्ट फेस्टिवल के 7वें संस्करण का शुभारंभ किया। इस दौरान राज्यपाल ने ट्रस्टी, नेशनल बुक ट्रस्ट ऑफ इंडिया डॉ. अनिता भटनागर की पुस्तक ह्यह्यगज्जू चलने लगाह्लह्ल और आईएएस दंपति इवा आशीष श्रीवास्तव व डॉ. आशीष श्रीवास्तव की पुस्तक ह्यह्यएडमिनिस्ट्रेशन इन इंडियाह्लह्ल सहित समारोह की स्मारिका का विमोचन किया। दो दिन तक चलने वाले इस फेस्टिवल में देश–विदेश के 100 साहित्यकार प्रतिभाग कर रहे हैं और विभिन्न विषयों पर 36 सत्रों में अपने विचार रखेंगे। इस आयोजन के माध्यम से देश और दुनिया में उत्तराखण्ड की कला एवं संस्कृति को पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

फेस्टिवल के शुभारंभ के अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि इस तरह के आयोजन, विचारों को एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक पहुंचाने में मददगार साबित होंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षा के केंद्र के रूप में विख्यात देहरादून और उत्तराखण्ड आने वाले समय में साहित्य एवं लेखन का केंद्र बनकर उभरेगा। पिछले कुछ समय में दून में

साहित्य, लेखन, कला एवं संस्कृति से जुड़ी गतिविधियों के आयोजन में बढ़ोतरी हुई है और देशभर में उत्तराखण्ड ने पहचान बनाई है। यहां अनेक साहित्यकार और कलाविद हुए हैं जिसका लाभ हमें उठाने की जरूरत है। राज्यपाल ने कहा कि इस फेस्टिवल में युवाओं को उपयोगी चर्चा सत्र और साहित्य उपलब्ध कराना आयोजकों की दूरदर्शिता और रचनात्मकता को दर्शाता है। हमारे बच्चों, युवाओं के लिए साहित्य और कला का रचनात्मक वातावरण तैयार करना सराहनीय पहल है। राज्यपाल ने कहा कि हमारा साहित्य हमारी समृद्ध धरोहर है और हमारे राष्ट्र और समाज के चिंतन का प्रतिबिम्ब है। आज के समय में हमारे बच्चों और युवाओं को साहित्य के प्रति सजग और सक्रिय रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि साहित्य के माध्यम से हमारी राष्ट्रीय विरासत, इतिहास, धरोहर और राष्ट्रहित का दृष्टिकोण प्रस्तुत किया जाना जरूरी है।

राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखण्ड में विविध क्षेत्रों में भी पुष्पित और पल्लवित होने की अपार संभावनाएं हैं। आध्यात्मिक और साहसिक पर्यटन, कृषि, जैविक खेती से लेकर विनिर्माण और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हमारे राज्य के अंदर भारत की आर्थिक शक्ति के रूप में उभरने की क्षमता है। हाल ही में सम्पन्न हुए ह्यग्लोबल इन्वेस्टर्स समिटह्ल के सफल आयोजन के पश्चात हमारा प्रदेश, देश और विदेश के निवेशकों के लिए एक नया डेस्टिनेशन बन रहा है, सभी घटनाक्रम को अंकित किया जाना आवश्यक है। उन्होंने साहित्य प्रेमियों से इन सभी विषयों को अंकित करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि 2047 में विकसित भारत के लिए जो रोडमैप बनाया गया है, उस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सभी को सक्रिय भागीदारी निभाने की आवश्यकता है। सबका प्रयास यानि जन भागीदारी, एक ऐसा मंत्र है, जिससे बड़े से बड़े संकल्प सिद्ध होते हैं। सबका प्रयास, से ही विकसित भारत का निर्माण होना है। यह देश का भविष्य लिखने का एक महाअभियान है। उन्होंने कहा की राष्ट्र को विकसित बनाने में युवाओं की सर्वाधिक महत्वपूर्ण भागीदारी हो सकती है। आगामी 25 वर्षों में भारत को विकसित देशों की श्रेणी में शामिल करने के लिए युवाओं को आगे आना होगा।

डीएम ने किया नगर निगम देहरादून का औचक निरीक्षण

देहरादून। माननीय मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी जी द्वारा देहरादून शहर को सुन्दर, स्वच्छ, सुगम आवागमन बनाने हेतु जिलाधिकारी को दिए गए दिशा–निर्देशों के अनुपालन में आज आज जिलाधिकारी ने नगर निगम देहरादून का औचक निरीक्षण कर सम्पादित कार्यों का अवलोकन करते हुए शहर को स्वच्छ एवं सुन्दर बनाने में प्लानिंग बनाकर कार्य करने की रणनीति बनाने के दिशा–निर्देश दिए। जिलाधिकारी/प्रशासक नगर निगम के औचक निरीक्षण के उपरान्त कार्मिकों में दिखी सक्रियता। डोर–टू–डोर कूड़ा निस्तारण सही प्रकार से कार्य जीपीएस में मैपिंग न होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए तथा वाहनों के आवागमन रूट को जीआईएस मैप पर कलरफुल बनाने के दिशा–निर्देश दिए। औचक निरीक्षण में 1 एसएनए, 4 कर निरीक्षक सहित कुल 13 कार्मिक अनुपस्थित पाए गए, जिनके एक दिन के सीएल में कटौति करते हुए स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने नगर निगम में अपने कार्य हेतु आने–वाले लोगों से भी बात करते हुए समस्याए जानी तथा अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

जिलाधिकारी श्रीमती सोनिका ने आज नगर निगम देहरादून का औचक निरीक्षण करते हुए नगर निगम परिसर स्थित कार्यालयों, सैक्शन, रिकार्डरूम में व्यवस्थाएं देखी। इस दौरान जिलाधिकारी ने प्रत्येक सैक्शन में उपस्थिति पंजिका का अवलोकन किया तथा रजिस्टर से कार्मिकों के नाम बोलते हुए उपस्थिति जांचते हुए फील्ड में गए कार्मिकों की वीडियोकॉल के माध्यम से फील्ड में उपस्थिति देखी।

रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष बने आन सिंह

देहरादून। रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद प्रदेश प्रबंध समिति के चुनाव में आन सिंह जीना को सर्वसम्मति के अध्यक्ष चुना गया। जबकि दिनेश पंत को दोबारा महामंत्री चुना गया। गांधी रोड स्थित प्रांतीय कार्यालय में हुए चुनाव में प्रदेश के तीनों मंडलों से प्रांतीय सदस्यों ने शिरकत की। चुनाव राज्य निगम कर्मचारी अधिकारी महासंघ के अध्यक्ष दिनेश गुसाईं और रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद के पूर्व महामंत्री रामचंद्र रतूड़ी की देखरेख में हुए। इसमें अध्यक्ष और महामंत्री के अलावा कोषाध्यक्ष अनुराग नौटियाल को चुना गया। प्रदेश कार्यकारिणी में देहरादून क्षेत्र से निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष प्रेम सिंह रावत, विपिन बिजल्वाण, राकेश पेटवाल, मेजपाल सिंह, नैनीताल क्षेत्र से विक्रम डंगवाल, जगमोहन, शंकर सिंह, जगदीश कांडपाल, श्याम सिंह शाही, मनोहर सिंह रावत, गोपाल पपनोई, राजेश कोहली, टनकपुर क्षेत्र से नवीन कोठारी, कैलाश मुरारी, विनोद नौटियाल, राजेंद्र सिंह बिष्ट, संजीव कुमार, सुंदरलाल को चुना गया। सभी पदाधिकारियों ने रोडवेज और कर्मचारियों के हित में काम करने का संकल्प लिया।

व्यापारियों को थमाए नोटिस

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : जिला पंचायत की ओर से मालनी मार्केट व गोल मार्केट में अतिक्रमण करने वाले व्यापारियों को नोटिस दिया गया है। जल्द अतिक्रमण नहीं हटाने पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

मालूम हो कि मालनी मार्केट व गोल मार्केट में कई व्यापारियों ने सड़क तक अतिक्रमण किया हुआ है। जिससे आमजन को पैदल चलने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पूर्व में कई व्यापारियों ने इसकी शिकायत प्रशासन से भी की थी। ऐसे में अब जिला पंचायत ने पचास व्यापारियों को नोटिस थमाया है। नोटिस में जल्द अतिक्रमण नहीं हटाने पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

फलों से जैम, जैली, मुरब्बा व अचार बनाने के सिखाए गुर

कोटद्वार : द्वारीखाल ब्लॉक के अंतर्गत राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय राजबाट में छात्र-छात्राओं को फल प्रसंस्करण के तहत जैम, जैली, मुरब्बा, अचार आदि बनाने की जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान उद्यान विभाग चैलूसैंण के फल संरक्षण प्रभारी नरेंद्र सिंह रावत ने छात्र-छात्राओं को फल प्रसंस्करण के तहत जैम, जैली, मुरब्बा और अचार बनाने का प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में विद्यालय के 37 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस मौके पर प्रधानाचार्य संजय ध्यानी, गजपाल सिंह गुसाईं, गोविंद वल्लभ पंत, अनुज रावत, रश्मि रावत, अजय पटवाल, कुलदीप सिंह, पूनम कंडवाल आदि मौजूद रहे।

पूर्व सैनिकों ने गब्बर सिंह को किया सम्मानित

कोटद्वार : पूर्व सैनिक सेवा परिषद की ओर से विजय दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान सिलक्यारा सुरंग में 17 दिन तक फंसे गब्बर सिंह नेगी को सम्मानित किया गया।

बद्रीनाथ मार्ग स्थित एक होटल के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि यह दिन भारत पाकिस्तान के बीच हुए युद्ध में वीरता दिखाने वाले जवानो को याद करने का दिन है, जिससे युद्ध में भारत की विजय सुनिश्चित हुई। कहा कि वीर सैनिकों के योगदान को देश कभी नहीं भूलेगा। मौके पर उत्तरकाशी की सिलक्यारा सुरंग में फंसे मजदूरों का हौसला बढ़ाने वाले कोटद्वार निवासी गब्बर सिंह व शहीद पैरा कमांडो देवेंद्र सिंह रावत के पिता दरबान सिंह रावत को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर हसवंत सिंह बिष्ट, जीके बड़थ्वाल, अनूप बिष्ट, प्रकाश रावत और विनोद ध्यानी सहित परिषद के सभी सदस्य मौजूद रहे।

शिविर में करवाई आंखों की जांच

कोटद्वार : द हंस फाउंडेशन हॉस्पिटल्स के सतपुली अस्पताल और कोटद्वार स्थित हंस क्लीनिक में सात दिवसीय नेत्र चिकित्सा शिविर आयोजित हुआ। पांचवें दिन शुक्रवार को दोनों स्थानों पर 1002 मरीजों ने स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाया। इस दौरान 301 लोगों की आंखों में मोतियाविंद पाया गया। नेत्र रोग विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. रवि ने 587 एवं सतपुली अस्पताल में डॉ. नितिन मुकेश ने 415 मरीजों की आंखों की विभिन्न बीमारियों की जांच की। मोतियाबिंद की सर्जरी के लिए चयनित मरीजों का द हंस फाउंडेशन जनरल हॉस्पिटल, सतपुली में दूरबीन विधि से ऑपरेशन किया जाएगा। इसके अलावा दोनों स्थानों पर 896 मरीजों को निःशुल्क चश्में, दवाइयां वितरित की गई। अस्पताल की डिप्टी मैनेजर प्रीति बिष्ट ने बताया कि शिविर 17 दिसंबर तक जारी रहेगा।

दम तोड़ गई गरीबों की योजना, सड़क पर पड़े कपड़े

गरीब व असहाय परिवारों को कपड़े उपलब्ध करवाने के लिए बनाई गई थी योजना

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शहर में गरीब व असहाय परिवारों को कपड़े उपलब्ध करवाने के लिए बनाई गई योजना दम तोड़ चुकी है। दरअसल, दो वर्ष पूर्व प्रशासन ने नगर निगम के सहयोग से एक भलाई की दीवार के नाम से नई शुरुआत की, जिसमें आमजन अपने निष्प्रायोज्य कपड़ों को जरूरतमंदों तक पहुंचा सकता था। लेकिन, सरकारी सिस्टम की लापरवाही से यह भलाई की दीवार गंदगी के ढेर में तब्दील होती जा रही है। कपड़े रखने के लिए बेहतर व्यवस्था नहीं होने के कारण कई व्यक्ति कपड़ों को सड़क पर ही फेंककर चले जा रहे हैं।

ढाई वर्ष पूर्व तहसील व नजीबाबाद चौक पर भलाई की दीवार बनाई गई थी। योजना के अनुसार, जिन लोगों के घरों में पुराने कपड़े थे वे उन्हें दीवार पर टांगकर जरूरतमंदों की मदद कर सकते थे। कुछ वर्ष तक व्यवस्थाएं बेहतर तरीके से चलीं। उस दौरान नगर निगम का एक कर्मचारी प्रतिदिन कपड़ों को व्यवस्थित तरीके से भी रखता था। कपड़े खराब न हों, इसके लिए दीवार के समीप एक संदूक भी रखा गया। लेकिन, अब देखरेख के अभाव में भलाई की दीवार गंदगी के रूप में तब्दील हो गई है। कई लोग सड़क पर ही अपने कपड़ों के ढेर को फेंककर चले गए हैं। नतीजा, जरूरतमंदों ने धूल-मिट्टी से खराब हो चुके इन कपड़ों का उपयोग करना भी बंद कर दिया।

कोटद्वार के बदरीनाथ मार्ग में भलाई की दीवार में अव्यवस्थित पड़े कपड़े

सड़क पर उड़ रहे कपड़े

अव्यवस्थित तरीके से रखे कपड़े कई बार सड़क पर उड़ते रहते हैं। जिससे हर समय दुर्घटनाओं का अंदेशा बना रहता है। बरसात के समय यह कपड़े बहते हुए नालियों में फंस जाते हैं, जिससे नाली चोक पड़ी रहती है और जलभराव देखने को मिलता है। वहीं, नजीबाबाद चौराहे व देवी रोड में बनाई गई भलाई की दीवार में तो रेहड़ी-ठेली वालों ने कब्जा कर लिया है।

नियमों का उल्लंघन, पुलिस ने की कार्रवाई

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ पुलिस ने सख्ती दिखाना शुरू कर दिया है। इस दौरान पुलिस ने पांच वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की। गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार से पहाड़ जाने वाले वाहनों की तलाशी अभियान चलाया गया। पुलिस ने वाहन चालकों को यातायात नियमों का सख्ती से पालन करने की हिदायत दी। कहा कि यातायात नियमों की अनदेखी के कारण ही सड़क दुर्घटनाएं बढ़ती है। इसलिए वाहन चालकों को नियमों का सख्ती से पालन करना चाहिए। अभियान के दौरान पांच वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई भी की गई। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मणीभूषण श्रीवास्तव ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सख्ती से अभियान चलाया जा रहा है। इसके लिए पुलिस की विशेष टीम भी गठित की गई है।

कोटद्वार के नजीबाबाद चौराहे में वाहन चालकों की जांच करती पुलिस।

हैरिटेज भवन और त्रिशूल पार्क बनाने की मांग

पौड़ी : नागरिक कल्याण एवं जागरूक विकास समिति ने पुराने कलक्ट्रेट भवन में सीएम घोषणा के तहत हैरिटेज भवन बनाने व सीएमओ आवास के पास चयनित भूमि पर ही त्रिशूल पार्क का निर्माण करने की मांग की है। कहा कि किसी असामाजिक तत्व द्वारा इन कार्य पर व्यवधान किया जाता है तो समिति इसका पुरजोर विरोध करेगी।

शनिवार को नागरिक कल्याण एवं जागरूक विकास समिति ने डीएम को ज्ञापन दिया। इस दौरान समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि पुराने कलक्ट्रेट भवन को हैरिटेज के रूप में विकसित किया जाए, जिससे शहर में पर्यटन की गतिविधियों को बढ़ावा मिल सके। उन्होंने डीएम से सीएमओ आवास के पास त्रिशूल पार्क बनाने के लिए चयनित भूमि पर जल्द ही पार्क बनाने व धारा रोड से अपर बाजार तक हैरिटेज स्ट्रीट बनाने की मांग की।

सर्वोच्च अंक पाने वाले विद्यार्थियों को किया सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भाबर स्थित भगवंत ग्लोबल विश्वविद्यालय का पांचवां दीक्षांत समारोह सम्पन्न हो गया है। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं को उपाधि प्रदान करने के साथ ही सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का प्रारम्भ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। प्रति कुलाधिपति द्वारा मुख्य अतिथि व प्रति कुलपति द्वारा अन्य अतिथियों का स्मृतिचिह्न व शाल देकर स्वागत किया गया। प्रतिकुलपति प्रो. पी.एस. राणा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या पर प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय की प्रतिकुलाधिपति डा. आशा सिंह द्वारा अपने संबोधन के बाद दीक्षांत प्रतिज्ञा दोहराई गई। दीक्षांत समारोह में स्नातकोत्तर के 16, स्नातक के 68 व डिप्लोमा के 66 छात्र-छात्राओं को उपाधि प्रदान करने के साथ ही सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले 12 छात्रों को स्वर्ण पदक एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डा. अनिल सिंह व डा. विभांशु विक्रम सिंह सहित विवि का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी

अग्रसेन जयंती समारोह का शुभारंभ, शहर में निकाली भव्य मोटर साइकिल रैली

अग्रसेन जयंती मोहत्सव के दौरान निकाली गई बाइक रैल

शहर में निकाली गई शोभायात्रा

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : श्री वैश्य अग्रवाल सभा की ओर से महाराजा अग्रसेन का 5147वीं जयंती समारोह आरंभ हो गया है। दो दिवसीय समारोह के प्रथम दिवस शनिवार को सर्वप्रथम तीलू रौतेली चौक स्थित महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इसके उपरांत शहर में भव्य मोटर साइकिल रैली निकाली गई।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि उनके शासन में अनुशासन का पालन होता था। यही कारण है कि उन्होंने 108 वर्षों तक राज्य किया।

उन्होंने एक ओर हिंदू धर्म ग्रंथों में वैश्य वर्ण के लिए निर्देशित कर्मक्षेत्र को स्वीकार किया वहीं दूसरी ओर देश काल के परिपेक्ष्य में नए आदर्श स्थापित किए। उन्होंने देश में कई स्थानों पर अस्पताल, स्कूल और धर्मशालाओं का निर्माण करवाया। तत्पश्चात तीलू रौतेली चौक से अग्र चेतना मोटर साइकिल रैली को रवाना किया गया। दोपहर बाद महाराजा अग्रसेन की भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। शोभा यात्रा में महाराज अग्रसेन का भव्य रथ आकर्षण का केंद्र रहा। इस अवसर पर प्रदीप अग्रवाल, अजीत अग्रवाल, राजीव गोयल, अमिताभ अग्रवाल, अशोक ऐरन और नरेंद्र मित्तल सहित सभा के सभी सदस्य मौजूद रहे।

शहर में निकाली शोभा यात्रा

शाम के समय श्री वैश्य अग्रवाल सभा कोटद्वार की ओर से शहर में अग्रसेन जी की भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। शोभायात्रा का शुभारंभ नजीबाबाद रोड से किया गया। इसके मुख्य अतिथि पूर्व काबीना मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी व हेमलता नेगी थी। शहर में जगह-जगह शोभायात्रा का फूल मालाओं से स्वागत किया गया। इससे पूर्व दोपहर दो बजे हवन कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

कबड्डी में खिलाड़ियों ने दिखाई प्रतिभा

पौड़ी : युवा कल्याण विभाग पौड़ी के तत्वावधान में जिला स्तरीय खेल महाकुंभ के तहत कबड्डी प्रतियोगिता की बालिका वर्ग की अंडर-14, 17 व आयु वर्ग की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के अंडर-14 आयु वर्ग में कल्जीखाल ने पाबौ को 20-19, रिखणीखाल ने कोट को 27-19, नैनीडांडा ने खिर्सू को 21-9, पौडी ने यमकेश्वर को 25-13, पोखडा ने दुगड्डा को 23-22, थलीसैण ने बीरोखाल को 39-17 से हराकर दूसरे रांउण्ड में प्रवेश किया। अंडर-19 आयु वर्ग में नैनीडांडा ने खिर्सू को 26-01, पौडी ने यमकेश्वर को 32-30, पोखडा ने बीरोंखाल को 19-18, थलीसैंण ने कोट को 28-6, जहरीखाल ने दुगड्डा को 17-13, रिखणीखाल ने द्वारीखाल को 22-17, पाबौ ने कल्जीखाल को 33-16 से हराकर दूसरे रांउण्ड में प्रवेश किया। इस मौके पर क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी नरेश रावत, भगवान सिह गुसांई, संदीप खंकरियाल, महेश कुमार, अंकित पंवार, दिनेश चौहान आदि शामिल रहे।

1971 भारत-पाक युद्ध के शहीदों को दी श्रद्धांजलि

श्रीनगर गढ़वाल : पूर्व सैनिक सेवा कल्याण समिति श्रीकोट गंगनाली के गौरव सैनानियों ने विजय दिवस मनाया। इस मौके पर पूर्व सैनिकों ने 1971 में हुए भारत-पाक युद्ध में शहीद हुए वीर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर चंद्र सिंह रावत ने 1971 में हुए युद्ध के घटनाक्रमों को सभी के सम्मुख रखा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कारगिल शहीद शिव सिंह बिष्ट की पत्नी सुनीता देवी बिष्ट ने की। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष दर्शन सिंह भंडारी, कारगिल शहीद भगवान सिंह बिष्ट की धर्म पत्नी सुंदरी देवी बिष्ट, सुनीता देवी बिष्ट, दर्शन सिंह भण्डारी, बलदेव सिंह नेगी, उदय सिंह रावत, हर्षवर्धन सिंह नेगी, प्रदीप सिंह रावत, चंद्र सिंह रावत, भूपेंद्र सिंह पट वाल, अनसूया प्रसाद मलासी, चतर सिंह राणा, संजय जिरवान, सुनील गुसाई, हरेंद्र सिंह नेगी, गिरीश चमोली, जगदीश भट्ट मौजूद थे। (एजेंसी)

चित्रकला में शौर्य और गायन में लक्की ने मारी बाजी

श्रीनगर गढ़वाल : राजकीय बालिका इंटर कॉलेज श्रीनगर में समग्र शिक्षा के अंतर्गत समावेशित दिव्यांग बच्चों एवं अभिभावकों की शैक्षिक प्रतियोगिता आयोजित की गयी। जिसमें गायन और चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम प्रभारी मुकेश काला ने बताया कि विकासखंड स्तर पर विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की प्रतियोगिता के साथ-साथ विभिन्न शैक्षिक गतिविधियाँ आयोजित की गयी। चित्रकला प्रतियोगिता में परिष्कारम पब्लिक स्कूल के कक्षा पांचवीं के शौर्य सिंह ने प्रथम, गायन प्रतियोगिता में राप्रावि कठूड़ के कक्षा चौथी के लक्की ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस दौरान कार्यक्रम के बतौर मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी अश्वनी रावत ने सभी प्रतिभागी बच्चों को पुरस्कार वितरित किए। इस मौके पर रोहित देवराड़ी,शकरमणी थपलियाल, विपिन गौतम, पंकज घिल्डियाल, रणजीत चौखाली सहित आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

पुस्तकालय में नए पाठ्यक्रम की पुस्तकें उपलब्ध कराई जाए

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय में पुस्तकालय में नए पाठ्यक्रम की पुस्तकें उपलब्ध कराने की मांग को लेकर बिड़ला परिसर की छात्र संघ सचिव आंचल राणा ने पुस्तकालयाध्यक्ष से वार्ता की। इस दौरान उन्होंने सौंपे ज्ञापन में कहा कि गढ़वाल विवि के रीडिंग रूम में की प्रतिदिन साफ सफाई न होने के चलते छात्र अपना पठन-पठान ठीक से नहीं कर पा रहे हैं। साथ ही पुस्तकालय में नए पाठ्यक्रम और नए सत्र की पुस्तकें न होने के चलते छात्र-छात्राओं को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

जनपद में रंगारंग कार्यक्रमों के साथ धूमधाम से मनाया विजय दिवस

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : भारत की 1971 को पाकिस्तान पर गौरवशाली विजय के उपलक्ष्य में जनपद में शनिवार को विजय दिवस को रंगारंग कार्यक्रमों के साथ धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में 1971 युद्ध के वीर सैनिकों व वीर नारियों और उनके परिजनों का प्रेक्षागृह में स्वागत-सम्मान किया गया। इस दौरान 1971 के युद्ध की डॉक्यूमेंट्री की झलकियां दिखायी गयी, सांस्कृतिक कार्यक्रम, अभिभाषण और विजय दिवस विषय पर संबोधन किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत स्कूली छात्र-छात्राओं केऐजेंसी चौक से मार्च पास्ट से हुई, जिसका प्रेक्षागृह में समापन हुआ। तत्पश्चात शहीद स्मारक पर मुख्य अथिति विधायक राजकुमार पोरी और पूर्व सैनिकों द्वारा शहीदों के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए शहीदों का जयकारा किया गया। मुख्य अथिति स्थानीय विधायक राजकुमार पोरी द्वारा शहीदों को श्रद्धाजंलि देते हुए शहीदों के परिजनों और 1971 के वीर सैनिकों को सम्मानित किया गया।

इस दौरान स्थानीय विधायक ने अपने संबोधन में कहा कि हमें देश पर मर-मिटने वालों को कभी भी नहीं भूलना चाहिए, क्योंकि उनकी ही बदौलत हमारा गौरव बना हुआ है। उन्होंने 1971 के युद्ध के शहीदों की शहादत को स्मरण करते हुए उनके जीवन से देश सेवा की प्रेरणा लेने का आग्रह किया। उन्होंने स्कूली बच्चों से भी अपने उत्थान के साथ-साथ देश के उत्थान के बारे में भी हमेशा सकंल्पबद्ध रहने का आग्रह किया। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल ओपी फरस्वाण ने 1971 के युद्ध का स्मरण कराते हुए बताया कि भारतीय सेना ने बांग्ला की मुक्ती वाहिनी सेना की सहायता करते हुए मात्र 13 दिन में ही पाकिस्तानी सेना को आत्मसमर्पण करने को मजबूर कर दिया। उन्होंने कहा कि इस युद्ध में उत्तराखंड के कुल 255 सैनिक शहीद हुए थे, जिसमें से 33 सैनिक पौड़ी गढ़वाल के शामिल थे। विजय दिवस के अवसर पर मुख्य अथिति ने 1971 युद्ध के वीर सेनानी व उनके परिजनों को सम्मानित किया।

विजय दिवस पर शहीद के परिजन को सम्मानित करते हुए।

विजय दिवस वीर सैनिकों, वीर नारियों और परिजनों को किया सम्मानित

जिसमें ऑनरेरी कैप्टन सत्यप्रकाश धस्माना, ख्यात सिंह की पत्नी छैला देवी, रघुनाथ सिंह की पत्नी सुशीला देवी, ब्रहमानन्द की पत्नी आनन्दी देवी, नायक बसन्त सिंह, शहीद ला.ना. प्रेम सिंह की पुत्री रामेश्वरी देवी, शहीद इन्द्र सिंह रावत के पुत्र दरबान सिंह, शहीद दयाल सिंह रावत के भाई कृपाल सिंह, शहीद राजे सिंह के भतीजा कलम सिंह, शहीद उमा नन्द की पत्नी विमला देवी, ऑनरेरी कैप्टन दरवान सिंह के पुत्र जय प्रकाश, हवलदार महिपाल सिंह, कैप्टन मातवर सिंह, हवलदार बीएस भंडारी, सूबेदार भागचंद रावत, बख्तावर सिंह, होशियार सिंह, सूबेदार अनुसूया बडूनी, हवलदार ओम प्रकाश काला, कल्याण सिंह, बासुदेव सिंह, मंगल सिंह, सूबेदार रघुबीर सिंह, सुभाष चन्द्र का शॉल ओढ़कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी ईला गिरी, अपर पुलिस अधिक्षक कोटद्वार जया बलूनी, सीओ सदर श्याम दत्त नौटियाल, मुख्य शिक्षाधिकारी दिनेश गौड़ सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, पूर्व सैनिक, स्कूली छात्र-छात्राएं व अन्य उपस्थित थे।

निबंध में डीएवी की अंजलि ने मारी बाजी

पौड़ी : विजय दिवस के अवसर पर शनिवार को मुख्य अथिति स्थानीय विधायक राजकुमार पोरी ने निबंध प्रतियोगिता में डीएवी इंटर कॉलेज पौड़ी की अंजलि प्रथम, मैसमोर इंटर कॉलेज मोनाली द्वितीय व राजकीय कन्या इंटर कॉलेज पौड़ी की प्रियांशी तृतीय व चित्रकला प्रतियोगिता में राजकीय कन्या इंटर कॉलेज पौड़ी कविता प्रथम, राइका पौड़ी अनुराग खंडूड़ी द्वितीय और राइका पौड़ी के शिफात अली तृतीय को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि ने क्रॉस कंट्री दौड़ में अव्वल प्रतिभागियों को सम्मानित किया। जिसमें अंडर-14 बालक वर्ग में मुकुल प्रथम, अमन द्वितीय, अर्जुन तृतीय, आशुतोष चतुर्थ, प्रथम पंत पंचम व बालिका वर्ग में तानिया प्रथम, पूजा द्वितीय, आंचल तृतीय, खुशी चतुर्थ, संतोषी पंचम स्थान हासिल किया। साथ ही अंडर–17 बालक वर्ग में अनुज प्रथम, विनीत कुमार द्वितीय, धर्मेश तृतीय, अनिकेत चतुर्थ, जीवन पंचम व बालिका वर्ग में सिमरन गुसांई प्रथम, निधि द्वितीय, खुशबू तृतीय, खुशी रावत चतुर्थ, अनुष्का बिष्ट पंचम स्थान पर रही । साथ ही ओपन पुरूष वर्ग नीरज प्रथम, मोहित भंडारी द्वितीय, विशाल तृतीय, अभिषेक चतुर्थ, गौरव पंचम व ओपन महिला वर्ग में मीनाक्षी नेगी प्रथम, कंचन द्वितीय, सिमरन तृतीय, ईरम चतुर्थ, कृतिका पंवार ने पंचम स्थान प्राप्त किया।

व्यासाचार्य बहुगुणा के निधन पर जताया शोक

श्रीनगर गढ़वाल : बीते कुछ दिन पहले बाइक सवार की टक्कर से बुरी तरह घायल हुए प्रकाण्ड विद्वान एवं व्यासाचार्य बुद्धि बल्लभ बहुगुणा का शुक्रवार देर सांय जॉली ग्रांट अस्पताल देहरादून में निधन हो गया। उनके निधन पर कैबिनेट मंत्री डा. धन सिंह रावत ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि बुद्धि बल्लभ बहुगुणा के आकस्मिक निधन से श्रीनगर क्षेत्र को बहुत बड़ी क्षति हुई है। जिसकी भरपाई नहीं की जा सकती है। शोक व्यक्त करने वालों में भाजपा जिला अध्यक्ष पौड़ी सुषमा रावत, जिला महामंत्री गिरीश पैन्यूली, जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र रावत, लखपत भंडारी, जिला मीडिया प्रभारी गणेश भट्ट, श्रीनगर मंडल अध्यक्ष जितेंद्र धिरवांण, पूर्व दायित्वधारी राज्य मंत्री अतर सिंह असवाल, पूर्व बद्री केदार मंदिर समिति सदस्य राकेश ध्यानी, व्यापार सभा जिला अध्यक्ष वासुदेव कंडारी, व्यापार सभा नगर अध्यक्ष दिनेश असवाल, अनीता बुढ़ाकोटी, शशि जुयाल, मंडल महामंत्री संजय गुप्ता, पंकज सती, सौरभ पांडे, हरि सिंह बिष्ट, जगमोहन नेगी, झाबर सिंह रावत, कैलाश कर्णवांण, दिनेश पटवाल, राहुल बिष्ट आदि शामिल थे। (एजेंसी)

केंद्र व राज्य सरकार जनता के हित में कर रही कार्य : डॉ. रावत

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : उच्च शिक्षा, स्वास्थ्य मंत्री व श्रीनगर विधानसभा के विधायक डॉ. धन सिंह रावत ने विकासखंड थलीसैंण के अंतर्गत विभिन्न योजनाओं का लोकापर्ण व शिलान्यास किये। इस दौरान उन्होंने विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए वैन को रवाना किया। साथ ही उन्होंने स्थानीय लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं भी सुनी।

कैबिनेट मंत्री ने विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम के बाद प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लाभार्थियों को चैक वितरण किये। उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार निरंतर रूप से जनता के हितों में कार्य कर रही है। कैबिनेट मंत्री ने 856.31 लाख की लागत से भंडेली-जसपुरखाल-चौखाल मोटर मार्ग के डामरीकरण के कार्य शिलान्यास कर भूमि पूजन किया। इसके अलावा उन्होंने राजकीय इंटर कॉलेज जसपुरखाल में अतिरिक्त कक्ष-कक्षों का लोकार्पण, राजकीय इंटर कॉलेज ढौंड़ के नवीन भवन का लोकार्पण, खैतोली गांव हेतु मोटर मार्ग के निर्माण कार्य का शिलान्यास, राजकीय इंटर कॉलेज उफरैखाल के भवन का शिलान्यास, हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर का लोकार्पण व राजकीय इंटर कॉलेज बूंगीधार के भवन का शिलान्यास किया।

मंत्री ने कहा कि श्रीनगर विधानसभा के अंतर्गत विभिन्न विकास कार्यों से क्षेत्र की जनता को लाभ भी मिल रहा है। उन्होंने कहा कि स्कूलों के भवनों का मरम्मत व स्कूलों की दिशा और दशा को सुधारने का कार्य किया जा रहा है, जिससे स्कूल में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को हर प्रकार की सुविधाएं मिल सके। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों में इससे छात्र संख्या भी बढ़ेगी और बच्चों को अपने क्षेत्र से बाहर की स्कूलों में पढ़ने के लिए नहीं जाना पड़ेगा। इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष शांति देवी, उत्तराखंड राज्य सहकारी संघ अध्यक्ष मातवर सिंह रावत, मंडल अध्यक्ष नवीन जोशी सहित अन्य उपस्थित थे।

कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत विकास कार्यों का लोकपर्ण और शिलान्यास करते हुए।

पर्यटन विभाग सभी रिजॉर्ट का शत-प्रतिशत पंजीकरण कराएं : डीएम

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान की अध्यक्षता में जिलाधिकारी कैम्प कार्यालय में राजस्व संवर्द्धन की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। जिलाधिकारी ने राजस्व विभाग, पुलिस विभाग और खनन विभाग को अवैध खनन की किसी भी गतिविधि पर पूर्णतः विराम लगाते हुए उसको पूरी तरह से वैधानिक प्रक्रिया में लाने के निर्देश दिये। उन्होंने आबकारी विभाग को सभी बकायदारों से मानक के अनुरूप वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

जिलाधिकारी ने राजस्व विभाग, राज्य कर विभाग, विद्युत विभाग, खनन और आबकारी विभागों द्वारा राजस्व वसूली और अवैध गतिविधियों पर की गयी रोकथाम की कार्यवाही की प्रशंसा करते हुए इसे नियमित बनाये रखने के निर्देश दिये। उन्होंने फूड सेफ्टी विभाग, वन विभाग और पर्यटन विभाग को अपने-अपने एन्फोर्समेन्ट की कार्यवाही में तेजी लाने के निर्देश दिये। डीएम ने फूड सेफ्टी विभाग को खाना खिलाने वाले विभिन्न रेस्टोरेंट, ढ़ाबों, अहातों में नियमित रूप से फूड सेफ्टी के मानक का अनुपालन करवाने के लिए व्यापक पैमाने पर नियमित रूप से छापेमारी करने के निर्देश दिये। उन्होंने पर्यटन विभाग को संबंधित क्षेत्र के उपजिलाधिकारी के समन्वय से सभी रिजॉर्ट का शत-प्रतिशत पंजिकरण सुनिश्चित करवाने तथा पुलिस विभाग के समन्वय से सभी स्टॉफ का वैरिफिकेशन करवाने के निर्देश दिये। बैठक में जिला खनन अधिकारी रवि नेगी, जिला पर्यटन अधिकारी प्रकाश खत्री, एसडीओ वन विभाग लक्की शाह, एसडीओ विद्युत गोविंद सिंह रावत सहित संबंधित विभागीय अधिकारी बैठक में उपस्थित थे तथा अन्य अधिकारी वर्चुअल माध्यम से बैठक से जुड़े हुए थे।

डीएम डॉ. आशीष चौहान बैठक में अधिकारियों को निर्देश देते हुए।

विजय दिवस पर अमर शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि, वीरांगनाओं को किया सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : भारतीय सेना के अदम्य साहस, शौर्य की गौरवमयी वीरगाथा ''विजय दिवस'' 16 दिसंबर को जनपद में धूमधाम से मनाया गया। जिला पंचायत में आयोजित कार्यक्रम में 1971 युद्ध में भारत की शानदार विजय पर अमर शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि दी गई। पुलिस एवं एनसीसी के जवानों ने अमर शहीदों को गार्ड ऑफ ऑनर देकर सलामी दी। विजय दिवस समारोह में अपर जिलाधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, जिला स्तरीय अधिकारियों, गणमान्य नागरिकों एवं पूर्व सैनिकों ने अमर शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए उनके बलिदान को नमन किया और वीरांगनाओं को सम्मानित करते हुए देशवासियों को विजय दिवस की हार्दिक बधाई दी। इस दौरान जीआईसी व जीजीआईसी गोपेश्वर, सुबोध प्रेम विद्या मंदिर, कन्या विद्यालय नैग्वाड, आदर्श विद्यालय, प्राथमिक विद्यालय गोपेश्वर तथा एनसीसी कैडेट्स ने देश भक्ति पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों प्रस्तुति दी।

अपर जिलाधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी ने कहा कि देश की आन-बान और शान की रक्षा के लिए समर्पित सेना के जवानों और शहीदों पर राष्ट्र के प्रत्येक नागरिक को गर्व है। आज का दिन हमें शहीदों के अदम्य साहस और बलिदान को स्मरण कराते हुए देश सेवा के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने सभी को अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए देश हित में अपना अहम योगदान देने के लिए सभी को प्रोत्साहित किया। इस दौरान उन्होंने शहीद सैनिकों की वीरांगनाओं, परिजनों एवं पूर्व सैनिकों को सम्मानित भी किया।

जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल भास्कर बनर्जी (से.नि) ने कहा कि 1971 में इसी दिन भारत-पाक युद्ध में देश के वीर सैनिकों ने अदम्य शौर्य का परिचय देते हुए दुश्मन देश के 93 हजार से अधिक सैनिकों को आत्मसमर्पण करने को मजबूर कर दिया था। इस युद्ध में हमारे देश के 3843 सैनिकों ने शहादत दी थी। जिसमें उत्तराखंड राज्य से 248 तथा जनपद चमोली से 49 सैनिकों शामिल थे।

वीर सैनिकों के अदम्य साहस और वीरता के लिए दो वीर चक्र और एक महावीर चक्र से सम्मानित किया गया। इस युद्ध के परिणाम स्वरूप ही विश्व में एक नए देश बांग्लादेश का उदय हुआ।

26 दिसंबर को मुख्यमंत्री धामी नई टिहरी में

नई टिहरी : उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के आगामी 26 दिसंबर को नई टिहरी के पीआईसी में प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश नौटियाल ने भाजपा जिला कार्यालय में कार्यकर्ताओं की बैठक ली। बैठक में जानकारी देते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश नौटियाल ने बताया कि आगामी 26 दिसंबर सीएम का कार्यक्रम प्रस्तावित है। जो कि नई टिहरी के पीआईसी मैदान में होगा। इस कार्यक्रम में विकास की विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास होगा और सीएम आम जनसभा को सम्बोधित करेंगे। मुख्यमंत्री के इस जनपद भ्रमण को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओ में उत्साह है। भाजपा के जिलाध्यक्ष राजेश नौटियाल सीएम के कार्यक्रम को लेकर पार्टी कार्यालय नई टिहरी में पदाधिकारी की बैठक लेते हुए मुख्यमंत्री के भव्य स्वागत की कार्य योजना बनाई। जिलाध्यक्ष नौटियाल ने सभी मंडल अध्यक्षों को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को अधिक से अधिक लायें। बैठक में भाजपा प्रान्त पदाधिकारों में देवेंद्र बेलवाल, गिरिश बठवाल, मदन रावत, खेम सिंह चौहान, विनोद रतूड़ी। जिला पदाधिकारियों में चतर सिंह, राजेंद्र जुयाल, शीश राम थपलियाल, जेपी चंद, डॉ. प्रमोद उनियाल, मस्ता सिंह नेगी, परमवीर पंवार, विजय कठैत, राम कुमार कठेत, गजेंद्र खाती, संदीप रावत, गोपी राम चमोली, सुशील कुमार बहुगुणा, हर्षमणि सेमवाल, विजय लक्ष्मी नौटियाल, रविन्द्र चौहान, विनीत उनियाल आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

ब्लॉक स्तरीय युवा महोत्सव 18 को

पौड़ी : युवा कल्याण एंव प्रांतीय दल के तत्वावधान में बीरोंखाल ब्लाक स्तरीय युवा महोत्सव 18 दिसंबर को ब्लाक मुख्याल में आयोजित किया जाएगा।

बीरोंखाल क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी महेश राठौर ने बताया कि इस युवा महोत्सव में महिला मंगल दलों, युवा मंगल दलों द्वारा संस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए जाएंगे।

स्वरोजगार को अत्यधिक बढ़ावा दें : डीएम

जयन्त प्रतिनिधि।पौड़ी : जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने शुक्रवार को कैम्प कार्यालय पौड़ी में वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली पर्यटन स्वरोजगार योजना व दीन दयाल उपाध्याय गृह आवास होमस्टे योजना की बैठक ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्वरोजगार हेतु आ रहे आवेदनों की जांच कर उन्हें योजना से लाभांवित करें। जिससे वह समय पर योजना का लाभ उठा सकेंगे। इस दौरान उन्होंने वर्चुअल माध्यम से जुड़े आवेदकों से स्वरोजगार योजना में होमस्टे व वाहन मद के व्यवसाहिक व कार्य क्षेत्र के बारे में संपूर्ण जानकारी ली।

जिलाधिकारी ने आयोजित बैठक में संबंधित आवेदको को कहा कि समय पर बैंकों में अपने दस्तावेज जमा करें, जिससे बैंक को ऋण देने में आसानी प्राप्त होगी। उन्होंने आवेदकों को वाहन संचालन व होमस्टे के क्षेत्र में और बेहतर कार्य करने को कहा। कहा कि स्वरोजगार को अत्यधिक बढ़ावा दें, जिससे आय में वृद्धि हो सकेगी। जिलाधिकारी ने कहा कि जिन आवेदकों के दस्तावेज अधूरे रह गए हैं वह समय पर दस्तावेज पूर्ण करते हुए पर्यटन विभाग को प्रस्तुत करें।

जिससे आगे की कार्यवाही समय पर की जा सकेगी। उन्होंने स्वरोजगार इच्छुक लोगों को योजना के तहत अधिक से अधिक स्वरोजगार मुहैया करने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने बैंक अधिकारियों को कहा कि जिन आवेदकों द्वारा पूरे दस्तावेज बैंक को प्रस्तुत किये हैं वह तत्काल आगे की कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली पर्यटन स्वरोजगार योजना में 13 आवेदन तथा दीन दयाल उपाध्याय होमस्टे योजना में 09 आवेदन प्राप्त हुए।

सड़कों पर दुकानों का सामान बिखरा मिला तो होगा चालान

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : जिलाधिकारी सौरभ गहरवार ने शनिवार को छावनी क्षेत्र से मकड़ी बाजार तक पैदल निरीक्षण कर शहर में जाम, अतिक्रमण, सफाई सहित अन्य समस्याओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान मकड़ी बाजार में सड़क पर हार्डवेयर की दुकानों का सामान बिखरा मिलने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जाहिर करते हुए पुलिस प्रशासन एवं नगर पालिका को तुरंत चालान की कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने दोनों विभागों को नियमित बाजार में चैकिंग अभियान चलाने एवं नियमों का उल्लंघन करने पर चालान करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी सौरभ गहरवार ने निरीक्षण के दौरान कहा कि शहर के मुख्य बाजार सहित मुख्यालय से सटे कस्बों में आए दिन चौपहिया व दुपहिया वाहन नो पार्किंग जोन में खड़े रहते हैं। इससे जहां एक ओर अनावश्यक जाम की स्थिति उत्पन्न होती है वहीं स्थानीय राहगीरों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने पुलिस प्रशासन एवं नगर पालिका को अवैध रूप से अतिक्रमण करने वालों पर अनिवार्य रूप से चालान की करने एवं नियमित चैकिंग के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि अनैतिक रूप से लग रहे वाहनों पर नियमानुसार कार्रवाई करते हुए चालान करना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही नगर की स्वच्छता बनाए रखने के लिए गंदी नालियों व खुले में पड़े कचरे की नियमित रूप से मॉनीटरिंग करते हुए सफाई व्यवस्था सुचारू रूप से किए जाने के भी निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सड़क के खड़े धूल एवं जंक खा रहे वाहनों को भी हटवाने के निर्देश पुलिस प्रशासन को दिए। इस दौरान उन्होंने डाट पुलिया के नीचे बहने वाले पुनाड़ गदेरे की दोनों ओर की झाड़ियों एवं कचरे को भी जल्द से जल्द साफ करने के निर्देश नगर पालिका को दिए।

विजय दिवस के शहीदों की शहादत याद कर नम हुई आखें

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : विजय दिवस की 52वीं वर्षगांठ पर रुद्रप्रयाग कैंट में सैनिक कल्याण बोर्ड की ओर से श्रद्धांजलि एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शहीदों की शहादत की याद में स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा दी गई भावुक प्रस्तुतियां देख सभी की आखें नम हो गई। इस अवसर पर सैनिक कल्याण बोर्ड द्वारा 1971 की लड़ाई में शामिल पूर्व सैनिकों एवं शहीदों के परिवारों का सम्मान भी हुआ।

सिक्स ग्रेनेडियर्स के सौजन्य से छावनी परिषद रुद्रप्रयाग में विजय दिवस की 52वीं वर्षगांठ पर आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि जिलाधिकारी सौरभ गहरवार, पूर्व सैनिकों एवं वीर नारियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान 1971 की लड़ाई में शहीद हुए जनपद रुद्रप्रयाग के वीर सपूतों को पुष्पांजलि भेंट कर उन्हें श्रद्धांजलि भी दी गई। इस अवसर पर राजकीय इंटर कॉलेज रुद्रप्रयाग की छात्राओं ने स्वागत गीत एवं देशभक्ति गीतों पर नृत्य प्रस्तुतियां देकर सभी को भावुक कर दिया। जिलाधिकारी सौरभ गहरवार ने सभी को विजय दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विजय दिवस हमारे लिए गर्व का दिवस है इसका इतिहास सभी को जानना चाहिए। उन्होंने स्कूली छात्रों द्वारा कार्यक्रम में दी गई प्रस्तुतियों की भी सराहना की। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी सेवानिवृत्त कर्नल यूएस रावत ने 1971 में पाकिस्तान के साथ हुए युद्ध एवं भारतीय सेना के पराक्रम की गाथा सुनाते हुए विजय दिवस के इतिहास एवं महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि जनपद रुद्रप्रयाग से भी तीन वीर शहादत को प्राप्त हुए थे। वहीं एक सैनिक युद्ध के दौरान घायल हो गए थे। पूर्व सैनिक संगठन के जिलाध्यक्ष राय सिंह रावत ने कहा कि स्कूली छात्रों के बीच विजय दिवस जैसे कार्यक्रम आयोजित करना एक बेहतरीन पहल है इससे छात्रों को अपने इतिहास की तो जानकारी होगी साथ ही देशप्रेम एवं सेवा का भाव भी पैदा होगा। कार्यक्रम का संचालन किशन सिंह रावत द्वारा किया गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा, मुख्य शिक्षा अधिकारी हेमलता भट्ट, सिक्स ग्रेनेडियर्स से कैप्टन अक्षय, सेवानिवृत सूबेदार मेजर शेर सिंह, कुंवर सिंह, महावीर सिंह, हरि सिंह, ऑनरेरी कप्तान दलबीर सिंह, शिशुपाल सिंह, हरि सिंह राणा, हवलदार प्रहलाद सिंह राणा, राय सिंह बिष्ट, वीर सिंह नेगी, लक्ष्मी देवी, छुमा देवी, सीमा देवी, शिक्षक मनोज थापा सहित स्कूली छात्र-छात्राएं व बड़ी संख्या में अन्य लोग मौजूद रहे।

ठंड में सड़कों पर पाला गिरने वाले स्थानों पर एहतियाती कदम उठाएं : एडीएम

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : अपर जिलाधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी ने शनिवार को वर्चुअल माध्यम से सड़क सुरक्षा समिति की बैठक ली। उन्होंने निर्देशित किया कि सुरक्षित यातायात एवं सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए सड़कों पर सुरक्षात्मक कार्यो को शीघ्र पूरा करें।अपर जिलाधिकारी ने कहा कि ठंड बढ़ने के साथ सड़कों पर पाला जमने लगा है। सभी सड़क निर्माणदायी संस्थाएं सड़कों पर पाला गिरने वाले स्थानों को चिन्हित करते हुए इससे बचाव के लिए सभी एहतियाती कदम उठाना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देशित किया कि रोड़ सेफ्टी के अन्तर्गत चिन्हित ब्लैक स्पॉटों का सुधारीकरण, क्रैश बैरियर, पैराफीट व साइनेज लगाने के जो कार्य अवशेष है, उनको शीघ्र पूरा किया जाए। जो कार्य पूर्ण हो गए है, उनकी फोटोग्राफ के साथ रिपोर्ट दें। हिल कटिंग वाले स्थानों पर सावधानी के लिए साइनेज लगाए जाए। सड़क दुर्घटना में मृत लोगों को समय पर मुआवजा वितरण किया जाए। सड़कों का संयुक्त सर्वे एवं लंबित कार्यों को आपसी तालमेल के साथ शीघ्र पूरा किया जाए। एसडीएम, पुलिस एवं परिवहन विभाग अभियान चलाकर सड़क सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित करें। ओवर स्पीड, ड्रंक एंड ड्राइव तथा ओवरलोडिंग के खिलाफ चालान किए जाए। वीसी में बताया गया कि नवंबर माह में तीन सड़क दुर्घटनाएं हुई है। पुलिस और परिवहन विभाग द्वारा माह नवंबर में ओवर स्पीड के 16, ओवरलोड के 51, माल वाहन में यात्री ढोने पर 12, मोबाइल पर बात करने में 06, शराब पीकर वाहन चलाने पर 12, बिना हेलमेट के 80, बिना सीट बेल्ट के 85, बिना डीएल के 88 तथा वाहन का परमिट, फिटनेश, प्रदूषण मामलों में 68 सहित कुल 261 चालान किए गए है।

अपराध और नशे को लेकर किया जागरूक

नई टिहरी : एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर के निर्देश पर थाना घनसाली पुलिस ने थाना क्षेत्र में स्कूलों और सार्वजनिक स्थानों पर अभियान चलाकर जागरूकता अभियान चलाये। साईबर क्राईम व नशे को लेकर अहम जानकारियां मौके पर दी। थाना घनसाली के एसओ राजेश विष्ट, एसएसआई बरसा रमोला व कविंद्र चौहान ने घनसाली के सार्वजनिक स्थानों व स्कूलों में जागरूकता अभियान चलाया। पुलिस टीम ने सेंट मैरी स्कूल घनसाली में शिक्षकों और स्कूली छात्र छात्राओं के साथ जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें वर्तमान में बढ़ते साईबर क्राइम, गौरा शक्ति मोबाइल एप, उत्तराखंड पुलिस मोबाइल एप, यातायात व सड़क सुरक्षा नियमों, महिला और बाल अपराधों तथा नशे से जीवन पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों के संबंध में जानकारियां देते हुए जागरूक किया। इस मौके स्टाफ सहित 200 छात्र-छात्रायें मौजूद रहे। (एजेंसी)

सम्पादकीय

किसानों की कीमत पर

सरकार ने खाद्य महंगाई पर नियंत्रण पर अपना ध्यान केंद्रित किया है। मगर इन कदमों का किसानों पर खराब असर होगा। महाराष्ट्र में प्याज किसानों का विरोध प्याज निर्यात रोकने के फैसले से उनमें पैदा हुए असंतोष की ही एक मिसाल है। छह महीनों के अंदर आम चुनाव होने हैं और ऐसे में केंद्र सरकार का अनाज की महंगाई को लेकर चिंतित होना स्वाभाविक है। इसलिए वह ऐसे हर कदम उठा रही है, जिससे आम उपभोक्ताओं– खास कर मध्य वर्ग– को अनाज की कीमतें ज्यादा ना चुभें। इनमें सबसे ताजा कदम प्याज के निर्यात पर रोक है। इसके पहले ना सिर्फ गेहूं के निर्यात पर रोक लगाई गई, बल्कि खबर है कि सरकार रूस से गेहूं का आयात भी करने वाली है। इसके अलावा सरकार ने गेहूं को भंडार में रख सकने की सीमा घटाकर आधी कर दी है, जिससे व्यापारी अधिक मात्रा में गेहूं बाजार में उपलब्ध कराने को मजबूर हो गए हैं। उधर चीनी महंगी ना हो, इसके लिए चीनी मिलों को निर्देश दिया गया है कि वे इथोनॉल बनाने में गन्ने के रस का इस्तेमाल ना करें। सरकार के कान संभवतः इन खबरों से खड़े हुए कि बाजार में कुछ दालों, प्याज, टमाटर आदि के दाम हाल में तेजी से बढ़े हैं। तो उसने खाद्य महंगाई पर नियंत्रण पर अपना ध्यान केंद्रित किया है। मगर इन कदमों का खराब असर किसानों पर होगा।

महाराष्ट्र में जिस बड़ी संख्या में प्याज किसान विरोध जताने के लिए सडक़ों पर उतरे हैं, वह प्याज निर्यात रोकने के फैसले से उनमें पैदा हुए असंतोष की मिसाल है। किसानों की मुसीबत यह है कि पैदावार संबंधी तमाम जोखिम उन्हें खुद उठाने पड़ते हैं। लेकिन जब बाजार से उन्हें ज्यादा कीमत मिलने की संभावना होती है, तब सरकार के कदम उन लाभों से उन्हें वंचित कर देते हैं। इस तरह उनकी और प्रकारांतर में ग्रामीण क्षेत्र की आमदनी बढऩे की संभावना कमजोर हो जाती है। नरेंद्र मोदी सरकार ने सत्ता में आने के बाद से मुद्रास्फीति लक्ष्य इस तरह से तय किए हैं, जिसका किसानों और ग्रामीण आमदनी पर प्रतिकूल असर पड़ा है। देश में आम जन के उपभोग में आई गिरावट का यह भी एक कारण है। यह दीगर बात है कि यह जटिल प्रश्न राजनीतिक मुद्दा नहीं बन पाता है। इसलिए केंद्र इस तरह के कदम बेधडक़ उठा लेता है। आम चुनाव से पहले फिर उसने वही नजरिया अपनाया है।

भाजपा के फैसलों पर जाति गणना का असर

अजीत द्विवेदी

नरेंद्र मोदी की कमान वाली भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस की राजनीति का एक बुनियादी फर्क यह है कि भाजपा जमीनी वास्तविकताओं को समझते हुए सोशल इंजीनियरिंग करती है, जबकि कांग्रेस इस मामले में आदर्शवादी बातें ज्यादा करती है, जैसे इन दिनों राहुल गांधी करते फिर रहे हैं। भाजपा को एक बार भी सामाजिक न्याय, आरक्षण या जाति गणना आदि पर बड़ी बड़ी बातें करते नहीं सुना गया, लेकिन जब मौका मिला तो उसने आदिवासी, पिछड़ा, ब्राह्मण, दलित, ठाकुर सबका समीकरण बनाया। यह काम उसने बिना कहे और बिना ढिंढोरा पीटे किया है। अलग अलग सामाजिक समूहों का प्रतिनिधित्व करने के लिए भाजपा ने कैसे चेहरे चुने यह अलग चर्चा का विषय है लेकिन तीन मुख्यमंत्री, छह उप मुख्यमंत्री और तीन स्पीकर के जरिए भाजपा ने व्यापक रूप से अलग अलग सामाजिक समूहों को मैसेज दिया है।

सोचें, जाति गणना कराई है कि राजद, जदयू और कांग्रेस गठबंधन की बिहार सरकार ने लेकिन उस पर सबसे पहले अमल किया है भाजपा ने। तीनों राज्यों में तमाम नियुक्तियों पर जाति गणना का असर दिख रहा है। दूसरी ओर कांग्रेस और उसकी सहयोगी पार्टियां जुबानी जमाखर्च ज्यादा कर रही हैं। बिहार में राजद, जनता दल यू और कांग्रेस की सरकार ने जाति गणना कराई और आबादी के अनुपात मे आरक्षण बढ़ाने का ऐलान भी किया लेकिन सत्ता नीतीश कुमार और लालू प्रसाद के परिवार के हाथ में ही रहेगी। सवाल है कि जब जाति गणना के आंकड़े से पता चलता है कि सबसे बड़ा आबादी समूह अत्यंत पिछड़ी जातियों का है, जिसकी कुल आबादी में हिस्सेदारी 36 फीसदी है तो उसका व्यक्ति मुख्यमंत्री क्यों नहीं बनना चाहिए? पिछले 33 साल से यादव और कुर्मी के पास मुख्यमंत्री की कुर्सी है, जिसकी आबादी में साझा हिस्सेदारी 17 फीसदी है।

दूसरी ओर भाजपा ने जाति गणना का एक तरह से विरोध किया है और प्रधानमंत्री मोदी बार बार कह रहे हैं उनके लिए सिर्फ चार जातियां हैं– गरीब, किसान, नौजवान और महिलाएं। जाति गणना नहीं कराने या परोक्ष रूप से उसका विरोध करने के बावजूद भाजपा जाति गणना के आंकड़ों को गंभीरता से ले रही है, जिसका असर उसकी राजनीति पर दिख रहा है। भाजपा ने अपनी राजनीति में पिछड़ों, दलितों, आदिवासियों, महिलाओं, युवाओं की हिस्सेदारी बढ़ानी शुरू कर दी है। वह तीन राज्यों में विधानसभा चुनाव जीती तो छत्तीसगढ़ में पहला निर्विवादित आदिवासी मुख्यमंत्री बनाया। आदिवासी बहुल राज्य

का मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को बनाया गया। उनके साथ एक ब्राह्मण और एक पिछड़ी जाति के नेता को उप मुख्यमंत्री बनाया गया। मध्य प्रदेश में भाजपा ने पिछड़ी जाति से आने वाले शिवराज सिंह चौहान को बदला तो मोहन यादव को मुख्यमंत्री बनाया। उनके साथ भी एक ब्राहमण और एक दलित समुदाय के नेता को उप मुख्यमंत्री बनाया गया। ऐसे ही राजस्थान में भाजपा ने अपना पहला ब्राह्मण मुख्यमंत्री बनाया तो साथ में एक राजपूत और दलित समाज के नेता को उप मुख्यमंत्री बनाया।

चुनाव में भाजपा ने इस तरह का कोई वादा नहीं किया था या सामाजिक न्याय का मुद्दा लेकर लडऩे नहीं उतरी थी। दूसरी ओर कांग्रेस के राहुल गांधी और दूसरे नेता जाति गणना और आरक्षण बढ़ाने के मुद्दे पर चुनाव लड़ रहे थे। इसका नतीजा यह हुआ कि अगड़ी जातियों में यह मैसेज बना कि कांग्रेस उनकी विरोधी है। दूसरी ओर पिछड़ी जातियों में भी कांग्रेस को लेकर भरोसा नहीं बना कि वह सचमुच उनकी हितैषी है। सो, पार्टी दोनों तरफ से गई। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की बड़ी हार इसकी मिसाल है। भाजपा भी पिछड़ी जातियों की राजनीति कर रही है लेकिन यह मैसेज नहीं बनने दे रही है कि वह अगड़ी जातियों की विरोधी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक तरफ 35 फीसदी मंत्री पिछड़ी जाति का बनाने का दावा करते हैं तो गरीब सवर्णों के लिए 10 फीसदी आरक्षण का कानून भी बनाते हैं। अब भी तीन राज्यों में ब्राह्मण समाज से एक मुख्यमंत्री और दो उप मुख्यमंत्री बनाए हैं। देश में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के अलावा राजेंद्र शुक्ला, विजय शर्मा, देवेंद्र फडऩवीस और ब्रजेश पाठक के रूप में चार उप मुख्यमंत्री ब्राह्मण हैं। दो राजपूत मुख्यमंत्रियों– योगी आदित्यनाथ और पुष्कर सिंह धामी के अलावा एक उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी भी हैं। इस तरह भाजपा ने संतुलन बनाने की कला दिखाई है।

लेकिन बुनियादी रूप से वह कांग्रेस और उसकी सहयोगी पार्टियों से पहले से पिछड़े, दलित, आदिवासी की राजनीति कर रही है। झारखंड में भाजपा ने आदिवासी समाज के बाबूलाल मरांडी को प्रदेश अध्यक्ष और दलित समुदाय के अमर बाउरी को नेता प्रतिपक्ष बनाया है। राज्य के दो नेता केंद्रीय मंत्रिमंडल के सदस्य हैं, जिनमें अर्जुन मुंडा आदिवासी हैं और अन्नपूर्ण देवी पिछड़े वर्ग से आती हैं। बिहार में पिछड़ी जाति के सम्राट चौधरी प्रदेश अध्यक्ष हैं तो अत्यंत पिछड़ी जाति के हरि साहनी विधान परिषद में नेता हैं। बिहार में जरूर भाजपा ने विधानसभा में अगड़ी जाति का नेता प्रतिपक्ष रखा है लेकिन उसका दूसरा कारण है। विजय सिन्हा पहले स्पीकर थे और तब नीतीश कुमार से उनका झगड़ा हुआ था। नीतीश ने सदन के अंदर आसन पर बैठे विजय सिन्हा का अपमान किया था इसलिए अगड़ी जातियों में नीतीश के खिलाफ मैसेज बनवाने के लिए उनको नेता विपक्ष बनाया गया। इसका मतलब है कि जिन राज्यों में जाति और समुदाय का मुद्दा राजनीति को प्रभावित करता है वहां भाजपा जरूर उसके संतुलन का ध्यान रखती है। इसके उलट अगर कांग्रेस और उसकी सहयोगी पार्टियों को देखें तो बिहार, उत्तर प्रदेश और झारखंड में जदयू को छोड़ दें तो बाकी दो पार्टियों का नेतृत्व एक परिवार के हाथ में है और कांग्रेस के तीनों अध्यक्ष अगड़ी जाति के हैं।

भाजपा पहले भी सोशल इंजीनियरिंग का बहुत ख्याल रखती थी। उसने मंदिर आंदोलन के समय गोविंदाचार्य की पहल पर उत्तर प्रदेश में सोशल इंजीनियरिंग की थी। तब यूपी में कल्याण सिंह, विनय कटियार, ओमप्रकाश सिंह जैसे पिछड़ नेता होते थे। इसी राजनीति के तहत मध्य प्रदेश में उमा भारती, बाबूलाल गौर और शिवराज सिंह चौहान का प्रयोग हुआ, जिसकी अगली कड़ी मोहन यादव हैं। बिहार में भाजपा यह प्रयोग इसलिए नहीं कर सकी क्योंकि वह नीतीश कुमार की पिछलग्गू थी और नीतीश नहीं चाहते थे कि भाजपा में अगड़ा या अति पछड़ी जातियों का कोई नेता उभरे। इसलिए उन्होंने सुशील मोदी और नंदकिशोर यादव को ही नेता बनाए रखा। तभी बिहार में उसका प्रयोग थोड़ी देर से शुरू हुआ लेकिन बाकी जगह उसने जातियों का बहुत अच्छे तरीके से संतुलन बनाया है। हिंदुत्व के व्यापक संदेश और राष्ट्रवाद के बहुत स्ट्रॉन्ग डोज के साथ साथ भाजपा ने सत्ता में जातियों की भागीदारी का संतुलन भी बना रखा है।असल में भाजपा को पता है कि संचार साधनों की प्रचूरता के मौजूदा दौर में सिर्फ बातों से काम नहीं चलेगा। जिन लोगों का वोट लेना है उनको सत्ता में हिस्सेदारी देनी होगी और उन्हें भरोसा दिलाना होगा कि उनके राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक हित सुरक्षित हैं। दूसरी ओर लगभग सभी प्रादेशिक पार्टियों के लिए सामाजिक समीकरण का मतलब कुछ चुनिंदा परिवारों के हितों की रक्षा करना है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के समस्या यह है कि वे हमेशा एक लाइन पकड़ कर चलते हैं।

निष्पक्ष चुनाव का सवाल

यह समझना मुश्किल है कि इस समय जबकि सत्ता के लगभग पूरे तंत्र पर सरकार का नियंत्रण है, चुनावों की निष्पक्षता और उनमें सभी पक्षों का भरोसा सुनिश्चित करने वाली एक साधारण–सी व्यवस्था भी वह क्यों बर्दाश्त नहीं कर पा रही है?

विपक्ष के तमाम एतराज और विरोध को दरकिनार करते हुए केंद्र ने चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया बदलने संबंधी विधेयक को राज्यसभा से पारित करा लिया। यह इस बात का साफ संकेत है कि अपने बहुमत के दम पर वर्तमान सरकार ऐसे कदम भी बेहिचक उठा रही है, जिससे देश के लोकतंत्र की बुनियाद पर प्रहार होगा। इससे पहले कि इस प्रस्तावित कानून के असर पर बात करें, इस तथ्य को भी जरूर रेखांकित किया जाना चाहिए कि इस वर्ष यह दूसरा बिल है, जो सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को पलटने के लिए लाया गया है। इसके पहले दिल्ली सेवा विधेयक के जरिए दिल्ली सरकार के अधिकार संबंधी अदालत के फैसले को पलटा जा चुका है। अब इस बिल के जरिए इस वर्ष मार्च में आए सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ के उस निर्णय पलटा जा रहा है, जिसमें कोर्ट ने निर्वाचन आयुक्तों के नियुक्ति करने वाली समिति की संरचना तय की थी। कोर्ट ने कहा था कि इस समिति में प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता, और प्रधान न्यायाधीश होंगे।

स्पष्टतः मकसद इन नियुक्तियों में यथासंभव निष्पक्षता को सुनिश्चित करना था। मगर सरकार को यह बात पसंद नहीं आई। तो अब लाए गए बिल में नियुक्ति समिति से भारत के प्रधान न्यायाधीश को निकाल देने और उनकी जगह एक केंद्रीय मंत्री को शामिल करने का प्रावधान किया जा रहा है। यानी समिति में सरकार अपना बहुमत सुनिश्चित कर रही है, ताकि वह जिसे चाहे उसे निर्वाचन आयुक्त बना सके। यह समझना मुश्किल है कि इस समय जबकि सत्ता के लगभग पूरे तंत्र पर सरकार का नियंत्रण है, निष्पक्षता और सभी पक्षों का भरोसा सुनिश्चित करने वाली एक साधारण–सी व्यवस्था भी वह क्यों बर्दाश्त नहीं कर पा रही है? देश में आयोजित हो रहे चुनावों पर पहले से ही कई हलकों से और कई तरह के सवाल उठ रहे हैं। उसके बीच इस नए विवाद को हवा दे दी गई है। ऐसा करते हुए इस अपेक्षा की घोर अनदेखी की जा रही है कि चुनाव प्रक्रिया में सबका यकीन लोकतंत्र की बुनियादी शर्त है। इसका उल्लंघन हुआ, तो लोकतांत्रिक व्यवस्था ही संदिग्ध हो जाएगी।

खरी बात करने वाले राष्ट्रपति!

श्रुति व्यास

अर्जेन्टीना के नए राष्ट्रपति जेवियर मिलेई अपनी जनता से खरी–खरी बातें करते हैं। उन्होंने अपने नेतृत्व में देश को दशकों की ''अवनति और गिरावट" की स्थिति से बाहर लाने का संकल्प किया है, लेकिन उन्होंने कोई लुभावने वायदे या आशाएं नहीं जगाई हैं। पदग्रहण के दिन उन्होंने वहां मौजूद लोगों से कहा ''मितव्ययिता का कोई विकल्प नहीं है"।इसके तुरंत बाद कामकाज शुरू हो गया।12 दिसंबर को नए वित्तमंत्री लुईस केपिटो ने कई आमूल आर्थिक सुधारों की घोषणा की। उन्होंने पेसो के 50 प्रतिशत से अधिक अवमूल्यन की घोषणा की और बिजली और परिवहन पर दिए जा रहे अनुदान में कमी करने की बात कही। सरकारी मंत्रालयों की संख्या 18 से घटाकर 9 करने, सार्वजनिक कार्यों को स्थगित करने और अर्जेन्टीना के 23 प्रांतों को दिए जा रहे संघीय अनुदान में कमी करने का अलग ऐलान किया। सरकार का अनुमान है कि इन कदमों से जीडीपी के लगभग 3 प्रतिशत के बराबर बचत होगी।

मिलेई, जो पहले एक सक्रिय टीवी सितारे थे और जिन्हें एल लोको या मेडमेन के नाम से जाना जाता है, ने अपने चौंकाने वाले निर्वाचन की तुलना सोवियत संघ के पतन की शुरूआत से की ''जैसे बर्लिन की दीवार का पतन दुनिया के एक त्रासदीपूर्ण दौर समाप्त होने का संकेत था, वैसे ही हमारे यहां के चुनाव देश के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ को दर्शाते हैं" उन्होंने कहा कि वे ''एड़ी–चोटी का जोर" लगाकर देश को ''शांति और समृद्धि के एक युग" में ले जाएंगे। मिलेई की जीत और उनके सख्त कदमों का जितना तिरस्कार हुआ उससे कहीं ज्यादा वाहवाही हुई, क्योंकि मिलेई का कोई विकल्प नहीं है। मिलेई एक लोकप्रिय नेता हैं और उनकी तुलना अन्य दक्षिणपंथी लोकप्रिय नेताओं जैसे डोनाल्ड ट्रंप और जेयर बोसोनेरो से की जाती है। कुछ अन्य लोग इस अनापेक्षित कार्य करने वाले अर्थशास्त्री बोरिस जानसन और हत्यारी गुडिय़ा चकी का मिश्रण बताते हैं। वे स्वयं को ''अराजक पूंजीवादी" कहते हैं जिसने इस धारणा के जरिए मतदाताओं से भावनात्मक संबंध जोड़ लिए कि विशेषाधिकार प्राप्त 'जाति' के राजनीतिज्ञ साधारण लोगों के धन की चोरी करते हैं। यह धारणा सारी दुनिया के बहुत से देशों के मतदाताओं के विचारों में प्रतिध्वनित होती है।मिलेई अर्जेन्टीना को ''अवनति और गिरावट" से बाहर लाने के लिए जो कदम उठाना चाहते हैं उनमें हैं समाज कल्याण संबंधी खर्चों में भारी कमी लाना, अर्जेन्टीना के केन्द्रीय बैंक का अस्तित्व समाप्त करना, अर्थव्यवस्था का डालरीकरण और बड़ी कटौतियां करने के अपने इरादे के प्रतीक के रूप में वे अपने हाथों में बड़ी आरी पकड़ चुके हैं। उन्हें विश्वास है कि इनसे अर्थव्यवस्था में स्थिरता आएगी। बेलगाम महंगाई काबू में आ सकेगी। वे अर्जेन्टीना के 1976–83 के तानाशाही शासन के अपराधों को भी कम करके आंकने, मानव अंगों के व्यापार को वैधानिक दर्जा देने और अर्जेन्टीना के दो सबसे बड़े व्यापारिक साझीदारों चीन और ब्राजील से संबध घटाने के लिए भी संकल्पित हैं।

पीएम मोदी और खडगे ने देश को दी विजय दिवस की शुभकामनाएं

नई दिल्ली ,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने शनिवार को देश को विजय दिवस की शुभकामनाएं दीं। एक्स में एक पोस्ट में, पीएम मोदी ने कहा, आज, विजय दिवस पर, हम उन सभी बहादुर नायकों को श्रद्धांजलि देते हैं, जिन्होंने 1971 में निर्णायक जीत सुनिश्चित करते हुए कर्तव्यनिष्ठा से भारत की सेवा की।

प्रधान मंत्री ने कहा, उनकी वीरता और समर्पण देश के लिए अत्यधिक गर्व का स्रोत है। उनका बलिदान और अटूट भावना हमेशा लोगों के दिलों और हमारे देश के इतिहास में अंकित रहेगी। भारत उनके साहस को सलाम करता है और उनकी अदम्य भावना को याद करता है।

खडगे ने भी राष्ट्र को शुभकामनाएं दीं और एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 1971 में आज ही के दिन दुनिया का भूगोल बदल गया था, जब हमारे बहादुर भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान को हराया और बांग्लादेश को आजाद कराया। इंदिरा गांधी की गतिशील और निर्णायक नेतृत्व के तहत मानवता के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर था। खडगे ने लिखा, हम अपने सशस्त्र बलों और मुक्ति वाहिनी के अदम्य साहस, वीरता और दृढ़ संकल्प को नमन करते हैं।

कर्नाटक में दलितों को भैंस का मांस खाने के लिए मजबूर करने को रोकने की मांग

यादगीर ,(एजेंसी)। राज्य दलित संघर्ष समिति (ऋंतिकारी इकाई) ने यहां जिला और पुलिस अधिकारियों के पास एक शिकायत दर्ज कराई है, इसमें उनसे देवताओं को बलि किए गए भैंसों का मांस खाने के लिए दलितों को मजबूर करने की परंपरा को रोकने का आग्रह किया गया है। राज्य महासचिव मल्लिकार्जुन ऋंति ने शनिवार को यादगीर जिले के जिला आयुक्त और पुलिस अधीक्षक के पास शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने कहा कि सुरपुरा तालुक के देवीकेरा गांव में धार्मिक मेले में देवताओं को कई भैंसों की बलि दी जाएगी। दलितों को बलि दी गई भैंसों का मांस खाने या गांव से बहिष्कार का सामना करने के लिए मजबूर किया जाता है। देवीकेरा धार्मिक मेला 18 दिसंबर से दो दिनों के लिए निर्धारित है, जहां देवी दयमम्मा और पालकम्मा को भैंसों की बलि दी जाएगी। मल्लिकार्जुन ऋंति ने बताया कि अगर दलित 10 से अधिक बलि दी गई भैंसों का मांस खाने से इनकार करते हैं, तो उन्हें गांव में प्रवेश करने से रोक दिया जाएगा। देवीराकेरा सहित आसपास के गांवों में भैंस की बलि व्यापक रूप से प्रचलित है और ऋंति ने जिला प्रशासन से हस्तक्षेप करने और इस अंधविश्वास को खत्म करने का आग्रह किया है। भैंस की बलि के बारे में सार्वजनिक घोषणाएं की जाती हैं, और देवीराकेरा गांव में लोगों से धन एकत्र किया जाता है।

दर्दनाक हादसा : ट्रक और कार के बीच भीषण टक्कर, 6 लोगों की गई जान

मुंबई ,(एजेंसी)। महाराष्ट्र के नागपुर में आज देर रात एक भयानक सडक़ हादसा हुआ है। बताया जा रहा है कि नागपुर के काटोल के टोनखाम गांव के पास ट्रक और टोयोटा क्वालिस कार के बीच में जोरदार टक्कर हुई। इस हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल बताया जा रहा है। घायल शख्स को नागपुर के मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। जानकारी मिली है कि यह एक्सीडेंट रात 2: 30 बजे के आसपास हुआ। आमने-सामने की भिड़ंत होने से टक्कर इतनी जोरदार थी कि क्वालिस में बैठे 6 लोगों की मृत्यु हो गई । मरने वाले सभी लोग एक ही गांव के रहने वाले थे। ये हादसा नागपुर में काटोल के सोनखांब गांव के पास शालिमार फॅक्टरी के सामने हुआ जहां क्वालिस कार और ट्रक के बीच में जोरदार टक्कर हुई। काटोल पुलिस थाने के इन्स्पेक्टर सुशांत मेश्राम ने बताया कि यह ये एक्सीडेंट कल रात 1:30 बजे के आसपास हुआ है।

संसद घुसपैठ का मास्टरमाइंड सात दिन के रिमांड पर, सबूत मिटाने को चारों साथियों के फोन जलाए

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद में घुसपैठ केस के मास्टरमाइंड ललित मोहन झा को दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने शुक्रवार को सात दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया। ललित ने गुरुवार देर रात दिल्ली पुलिस थाने में सरेंडर किया था। पुलिस सूत्रों ने बताया कि वह महेश नाम के एक व्यक्ति के साथ दिल्ली के कर्तव्य पथ पुलिस स्टेशन पहुंचा था।

ललित ने संसद में घुसपैठ का वीडियो बनाकर इंस्टाग्राम पर डाला और कोलकाता के एक एनजीओ को भेजा, ताकि यह मीडिया तक पहुंच सके। इसके बाद वह मौके से फरार हो गया था। वह अपने सभी साथियों के मोबाइल फोन भी ले गया था, जिन्हें उसने जला दिया, ताकि सबूत मिटाए जा सकें। मोबाइल जलाने के बाद ललित बस से राजस्थान के नागौर पहुंचा। वहां वह अपने दो दोस्तों से मिला और एक होटल में रात बिताई। जब उसे एहसास हुआ कि पुलिस उसकी तलाश कर रही है, तो वह एक दोस्त के साथ बस से वापस दिल्ली आ गया।

यहां उसने सरेंडर कर दिया। फिलहाल वह पुलिस की स्पेशल सैल की कस्टडी में है। वहीं, दिल्ली पुलिस की स्पेशल टीम शनिवार या रविवार को संसद में सुरक्षा चूक के सीन को रीक्रिएट करेगी। इसके लिए सभी आरोपियों को संसद परिसर ले जाया जाएगा। इससे दिल्ली पुलिस यह पता लगाएगी कि आरोपी कैसे संसद भवन में दाखिल हुए और कैसे अपने प्लान को अंजाम दिया। उधर, संसद की सुरक्षा में चूक के मुद्दे पर चर्चा कराने तथा सदन में गृह मंत्री के बयान की मांग पर अडिग़ विपक्ष ने लगातार दूसरे दिन भी राज्यसभा और लोकसभा में जबरदस्त हंगामा किया, जिसके कारण सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित करनी पड़ी।

कांग्रेस ने संसद की कार्यवाही स्थगित होने के बाद आयोजित प्रेस कान्फ्रेंस में कहा कि जब तक गृहमंत्री इस पूरे मामले में संसद में बयान नहीं देते हैं, तब तक कार्यवाही नहीं होने दी जाएगी। पार्टी ने कहा कि गृहमंत्री अगर टीवी इंटरव्यू में बयान दे सकते हैं, तो उन्हें संसद में बोलने में संकोच क्यों है। उधर, विपक्षी नेताओं ने चौदह सांसदों के निलंबन के खिलाफ शुक्रवार को संसद भवन परिसर में प्रदर्शन किया। निलंबित सांसदों के हाथों में तख्तियां थीं, जिन पर लिखा था कि उन्हें बोलने के लिए निलंबित कर दिया गया, जबकि दोषी भाजपा सांसद खुलेआम घूम रहे हैं। कांग्रेस घुसपैठियों को आगंतुक पास मुहैया कराने वाले भाजपा सांसद प्रताप सिम्हा के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रही है। प्रदर्शन कर रहे सांसदों ने यह भी मांग की कि उनका निलंबन वापस लिया जाए।

शादी में भारी लहंगा नहीं पहन सकेगी दुल्हन, ड्रेस कोड तय, आदेश न माना तो होगी सख्त कार्रवाई

चंडीगढ़, एजेंसी। गुरुद्वारा साहिब में आनंद कारज के दौरान सिख दुल्हनों के लिए ड्रेस कोड तय कर दिया है। सिखों के 5 तख्तों के जत्थेदारों की तख्त श्री हजूर साहिब में मीटिंग के दौरान इस संबंध में प्रस्ताव पारित किया। जिसके बाद सिख धर्म को सख्ती से अमल करने को भी कहा है। अगर, इनका पालन सही से नहीं किया गया तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। जारी आदेश में कहा गया है कि शादी के वक्त लांवा-फेरे लेने के दौरान दुल्हन सलवार-कमीज और सिर पर चुन्नी पहने न की लहंगा-घाघरा। उन्होंने कहा कि लावां के समय लड़कियां भारी लहंगे पहन लेती हैं जिस कारण उन्हें चलने और उठने-बैठने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। वहीं, गुरु महाराज के सामने नतमस्तक होने में भी दिक्कत होती है। वहीं, लावां के दौरान गुरुद्वारों में दुल्हन पर फूलों या चुन्नी की छाया करने पर भी रोक लगा दी गई है। इसके अलावा शादी के कार्ड में दूल्हा-दुल्हन के नाम के आगे सिंह-कौर लगाना भी जरूरी कर दिया है।

लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने चंदा जुटाने का छेड़ा 'डोनेट फॉर देश' अभियान

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी ने देश भर से चंदा जुटाने का एक बड़ा अभियान शुरू करने का फैसला लिया है। इसे डोनेट फॉर देश नाम दिया गया है। इसकी शुरूआत 18 दिसंबर को पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे अपना योगदान देकर करेंगे। इसमें कोई भी व्यक्ति 138 रुपए से लेकर 1380 रुपए या फिर 13800 रुपए या उससे दस गुना राशि भी चंदे के रूप में दे सकता है।

वहीं पार्टी पदाधिकारियों को न्यूनतम 1380 रुपए का अंशदान देना होगा। कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल और कोषाध्यक्ष अजय माकन ने शनिवार को पत्रकारों से चर्चा में इस अभियान की जानकारी दी। साथ ही बताया कि यह

अभियान पार्टी के 138 वें स्थापना दिवस से पहले लोगों तक पहुंचने और लोगों को पार्टी से जोड़ने के तहत शुरू किया गया है।

28 दिसंबर को होग स्थापना दिवस

इसके साथ पार्टी ने 28 दिसंबर को अपने स्थापना दिवस को इस बार काफी बड़े स्तर पर नागपुर में मनाने का फैसला लिया है। इसमें देश भर से दस लाख से ज्यादा कार्यकर्ता हिस्सा लेंगे। इसे लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई है। कांग्रेस पार्टी के कोषाध्यक्ष माकन ने बताया कि यह अभियान 28 दिसंबर तक देश भर में आनलाइन चलेगा।

ऐसे में 18 साल की उम्र पूरी कर चुका देश का कोई भी व्यक्ति पार्टी को सीधे अपना अंशदान दे सकेगा। इसके साथ ही पार्टी इसे लेकर देश भर में एक अभियान भी चलाएगी, जिसमें पार्टी के सक्रियता कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों से इससे जुड़ने की अपील की जाएगी। इस दौरान प्रत्येक पदाधिकारी कम से कम दस घरों को लक्षित कर प्रत्येक घर से 138 रुपए का अंशदान लेगा।

पैसे डोनेट करने पर मिलेगा प्रमाण पत्र

इस अंशदान के देने पर प्रत्येक व्यक्ति को एक प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा। एक सवाल के जवाब में वेणुगोपाल ने बताया कि यह पहल वर्ष 1920-21 में महात्मा गांधी द्वारा चलाए गए तिलक स्वराज कोष अभियान से प्रेरित है। जिसका उद्देश्य संसाधनों के समान वितरण और अवसरों से समृद्ध भारत का निर्माण करने के लिए पार्टी को सशक्त बनाना है।

भारत संग हाइड्रोग्राफी समझौता तोड़ा, मालदीव ने दिया झटका, इस सरकार के साथ किया था करार

माले, एजेंसी। मालदीव ने भारत को एक बार फिर बड़ा झटका दिया है। मालदीव की नई सरकार ने भारत के साथ हाइड्रोग्राफी समझौते को खत्म करने का फैसला किया है। इस समझौते को भारत ने 2019 में मालदीव की इब्राहिम मोहम्मद सोलिह की सरकार साथ किया था।

चंद महीने पहले हुए चुनाव में इब्राहिम मोहम्मद सोलिह को हराकर मोहम्मद मुइज्जू मालदीव के राष्ट्रपति निर्वाचित हुए हैं। उन्होंने शपथ ग्रहण के तुरंत बाद ही भारतीय सैनिकों को मालदीव छोडऩे का आदेश सुनाया था। मालदीव के राष्ट्रपति कार्यालय में सार्वजनिक नीति के अवर सचिव मोहम्मद फिरोजुल अब्दुल खलील ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मालदीव भारत के साथ समझौते को नवीनीकृत नहीं करेगा। फिरोजुल ने कहा कि यह निर्णय मालदीव की राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं को

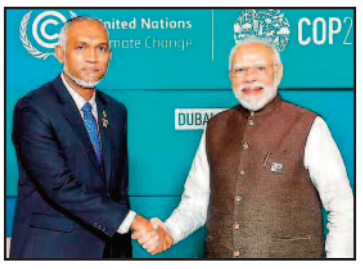

देखते हुए लिया गया है। उन्होंने कहा कि संवेदनशील जानकारी की प्रकृति को देखते हुए भविष्य में हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण अकेले मालदीव की एजेंसियों के जरिए कराए जाएंगे। इस समझौते की शर्तों के अनुसार, यदि एक पक्ष समझौते को छोडऩा चाहता है, तो दूसरे पक्ष को समझौते के समाप्त होने के छह महीने पहले अपने निर्णय के बारे में सूचित किया जाना चाहिए। शर्तों के अनुसार, अगर ऐसी सूचना नहीं दी जाती है तो यह समझौता अपने आप आगे के पांच साल के लिए रिन्यू हो जाता है।

मालदीव ने यह कदम नवनिर्वाचित राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की औपचारिक रूप से भारत को अपने सैन्य कर्मियों को बुलाने के लिए कहने के कुछ ही हफ्ते बाद उठाया है। मुइज्जू ने अपने पूरे चुनावी प्रचार के दौरान भारतीय सैनिकों की वापसी का मुद्दा उठाया।

उन्होंने चुनाव में मिली जीत और शपथग्रहण के बाद भी भारत विरोधी बयानबाजी की थी। माना जाता है कि मालदीव में 77 भारतीय सैन्य कर्मी रहते हैं, जो भारत से मालदीव को उपहार में मिले हेलिकॉप्टरों और विमानों को संचालित करने में सहायता प्रदान करते हैं। इनमें से कोई भी भारतीय सुरक्षा कर्मी मालदीव में किसी भी प्रकार के आक्रामक मिशन के लिए तैनात नहीं है।

रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या में 48 दिनों तक गूंजेंगे भजन, 1,000 कलशों के जल से भगवान का होगा अभिषेक

अयोध्या ,(एजेंसी)। राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद 48 दिनों तक अयोध्या में भजन सहित धार्मिक गीत बजेंगे। इसका उद्देश्य शांति और आत्मिक दिव्यता का वातावरण उत्पन्न करना है। देश भर के कलाकार गर्भगृह में राम लला की मूर्ति के सामने नृत्य मंडप में गायन का आयोजन करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा करेंगे। राम मंदिर ट्रस्ट के कार्यालय प्रबंधक प्रकाश गुप्ता ने कहा, मंदिर ट्रस्ट द्वारा कई अनुभवी कलाकारों को लाइव प्रदर्शन के लिए आमंत्रित किया जाएगा। कई नए कलाकारों को भी श्रीराम के सामने अपनी प्रस्तुति देने का मौका दिया जाएगा।

उन 48 दिनों में श्रीराम को देश भर के सभी तीर्थों से लाए गए 1,000 कलशों के जल से स्नान कराया जाएगा।

'जो रह गए, उन्हें भविष्य में मिलेगा योजनाओं का लाभ'

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में विकसित भारत संकल्प यात्रा का वर्चुअल शुभारंभ करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत के संकल्प में शहरों की बड़ी भूमिका पर जोर दिया। अब तक चार संवाद ग्रामीण क्षेत्र के लाभार्थियों से कर चुके पीएम ने शनिवार को शहरी क्षेत्रों के

लाभार्थियों पर ध्यान केंद्रित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों को दी गारंटी गांव के गरीब से शहर की झुग्गी-झोपड़ी तक योजनाएं पहुंचाने के लक्ष्य को लेकर प्रतिबद्धता जताते हुए गारंटी दी कि जो रह गए हैं, उन्हें भी भविष्य में योजनाओं का लाभ मिलेगा। उन्होंने विभिन्न योजनाओं का लाभ ले चुके लाभार्थियों का आव्हान किया कि एंबेसडर बनकर दूसरों को भी बताएं कि उन्हें योजनाओं का फायदा किस तरह मिला है। अलग-अलग राज्यों के शहरी लाभार्थियों से संवाद के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प के साथ मोदी की गारंटी वाली गाड़ी देश के कोने-कोने में पहुंच रही है। एक माह में यह यात्रा हजारों गांवों के साथ डेढ़ हजार शहरों में भी पहुंची है। इनमें छोटे शहर और कस्बे भी हैं।

मुंबई इंडियंस के नए कप्तान बने हार्दिक, रोहित शर्मा को करेंगे रिप्लेस

मुंबई , एजेंसी । पांच बार की आईपीएल चैंपियन मुंबई इंडियंस ने टूर्नामेंट के 2024 सीजन के लिए तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या को अपना नया कप्तान घोषित किया है। हार्दिक पांड्या ने रोहित शर्मा की जगह ली है, जिन्होंने 10 सालों तक मुंबई इंडियंस की कमान संभाली है और पांच बार टीम को चैंपियन भी बनाया। फ्रेंचाइजी ने एक बयान में कहा कि हार्दिक को कप्तान बनाना भविष्य को ध्यान में रखते हुए 2024 आईपीएल सीजन से पहले उनके महत्वपूर्ण नेतृत्व परिवर्तन का एक हिस्सा है। यह घोषणा 19 दिसंबर को दुबई में होने वाली आईपीएल 2024 खिलाड़ी नीलामी से ठीक पहले हुई है।

मुंबई इंडियंस के वैश्विक प्रदर्शन प्रमुख माहेला जयवर्धने ने कहा, मुंबई इंडियंस को हमेशा सचिन से लेकर हरभजन और रिकी से लेकर रोहित तक शानदार कप्तान मिले। अब हार्दिक पांड्या आईपीएल 2024 सीजन के लिए मुंबई इंडियंस की कप्तानी संभालेंगे। हम रोहित शर्मा के नेतृत्व के लिए उनका आभार व्यक्त करते हैं। 2013 से मुंबई इंडियंस के कप्तान के रूप में उनका कार्यकाल यादगार रहा है। हार्दिक ने अपने पहले सीजन में गुजरात को 2022 में आईपीएल खिताब दिलाया और अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

2023 में, हार्दिक की कप्तानी में गुजरात ने दूसरी बार आईपीएल फाइनल में जगह बनाई, जहां वे चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ उपविजेता रहे।

आईपीएल 2022 और 2023 दोनों सीजन में गुजरात ने हार्दिक के नेतृत्व में लीग चरण में अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया था। बाद में, रिटेंशन विंडो समाप्त होने के एक दिन बाद 25 नवंबर को मुंबई ने गुजरात से हार्दिक को ट्रेड किया।

यह एक युग के अंत का भी प्रतीक है। रोहित के दस साल तक मुंबई की कप्तानी करने और उन्हें 2013, 2015, 2017, 2019 और 2020 में पांच आईपीएल खिताब दिलाने का एक यादगार सफर रहा है। 2013 के आईपीएल सीजन में रिकी पोंटिंग से और रणनीतिक रूप से तेज होने और खेल की कार्यवाही को हढ़ता से नियंत्रित करने पर जोर देने के साथ गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण प्लेसमेंट में तेजी से बदलाव करने के लिए व्यापक प्रशंसा अर्जित की।

कुल मिलाकर, रोहित ने 158 आईपीएल मैचों में कप्तानी की जिसमें 87 मैच जीते, 67 मैच हारे और चार मैच टाई पर समाप्त हुए। उनका जीत का प्रतिशत 55.06 रहा। उनके नेतृत्व ने न केवल टीम को अद्वितीय सफलता दिलाई है, बल्कि आईपीएल के इतिहास में सबसे बेहतरीन कप्तानों में से एक के रूप में अपनी जगह भी मजबूत की है। उनके मार्गदर्शन में, एमआई अब तक की सबसे सफल और पसंदीदा टीमों में से एक बन गई।

पोंटिंग ने मैक्सवेल की टेस्ट क्रिकेट खेलने की आकांक्षा को खत्म करते हुए कहा—वह इसके लायक नहीं है

नई दिल्ली ,एजेंसी । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का तर्क है कि गतिशील ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल प्रतिष्ठित टेस्ट क्षेत्र में जगह पाने के लायक नहीं हैं। पोंटिंग ने साथ ही कहा कि उन्होंने प्रथम श्रेणी में ज्यादा रन नहीं बनाए हैं। सीमित ओवरों के प्रारूप में उत्कृष्ट योगदान देने वाले मैक्सवेल के नाम सिर्फ सात टेस्ट कैप हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए आखिरी बार 2017 में टेस्ट मैच खेला था।

खेल के बारे में अपनी गहरी समझ के लिए जाने जाने वाले पोंटिंग ने यह स्पष्ट कर दिया है कि, उनके विचार में, मैक्सवेल टेस्ट क्रिकेट के लिए आवश्यक मानकों पर खरे नहीं उतरते हैं, जिससे खेल के सबसे लंबे प्रारूप के लिए इस ऑलराउंडर की उपयुक्तता पर सवाल उठ रहे हैं।

पोंटिंग ने कहा, कोई भी तब तक मौके का हकदार नहीं है जब तक कि आपके पीछे प्रथम श्रेणी रनों का ट्रक न हो। मैं नहीं मानता, वह इसके लायक नहीं है। लेकिन अगर उसे वापस जाने और कुछ प्रथम श्रेणी रन बनाने का मौका मिलता है तब वह जबरदस्ती वापस अंदर आ सकता है।

विश्व कप में मैक्सवेल के साहसिक प्रदर्शन ने ऑस्ट्रेलिया को रिकॉर्ड छठा वनडे विश्व कप खिताब दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके असाधारण प्रदर्शन ने टीम की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिसकी परिणति फाइनल में भारत पर जीत के रूप में हुई। दिलचस्प बात यह है कि मैक्सवेल, जिन्होंने सात टेस्ट मैचों में 26.08 की औसत और 104 के सर्वोच्च स्कोर के साथ 339 रन बनाए हैं, ने अभी भी अपने टेस्ट करियर को नहीं छोड़ा है और उनकी नजर इस ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम में जगह बनाने पर है।

मैक्सवेल ने कहा, मैंने हार नहीं मानी है, मुझे लगता है कि जिस तरह से मैं सफेद गेंद से क्रिकेट खेल रहा हूं, उसके समय के बारे में मुझे यथार्थवादी होना होगा। आप एक विश्व कप खेलते हैं और फिर आप कुछ भी नहीं खेलते हैं (शेफ़ील्ड) शील्ड क्रिकेट। आप गर्मियों के अंत में सफेद गेंद (अंतर्राष्ट्रीय) में खेलते हैं और कोई शील्ड क्रिकेट नहीं खेलते हैं। तो यह वास्तव में मेरे करियर के पिछले 10 वर्षों में ऐसा ही हुआ है।

अंकित—अशोक ने खेली धांसू पारी, गेंद से चमके सुमित कुमार

नई दिल्ली। हरियाणा ने विजय हजारे ट्रॉफी 2023 के खिताब को अपने नाम कर लिया है। फाइनल मुकाबले में हरियाणा ने राजस्थान को 30 रन से हराते हुए पहली बार खिताब पर कब्जा जमाया। टूर्नामेंट में हरियाणा ने खेले सभी 10 मैचों में जीत दर्ज की। फाइनल में हरियाणा से मिले 288 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान की पूरी टीम 257 रन बनाकर सिमट गई।

अभिजीत की शतकीय पारी गई बेकार

288 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान की शुरुआत अच्छी नहीं रही। राम मोहन चौहान महज एक रन बनाकर चलते बने, तो महिपाल लोमरोर को सुमित ने 2 रन के स्कोर पर चलता किया। कप्तान दीपक हुड्डा अपना खाता तक नहीं खोल सके सुमित का दूसरा शिकार बने।करन लांबा 20 रन बनाकर आउट हुए। हालांकि, इसके बाद अभिजीत तोमर ने कुणाल सिंह राठोर के साथ मिलकर पांचवें विकेट के लिए शतकीय साझेदारी निभाई। अभिजीत ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 129 गेंदों पर 106 रन की दमदार पारी खेली। अभिजीत को हर्षल पटेल ने पवेलियन की राह दिखाई।

राजस्थान ने 56 रन पर गंवाए आखिरी 5 विकेट

अभिजीत के पवेलियन लौटने के बाद राजस्थान का बैटिंग ऑर्डर ताश के पत्तों की तरह बिखर गया और देखते ही देखते पूरी टीम 257 रन बनाकर ढेर हो गई। राजस्थान ने अपने आखिरी 5 विकेट महज 56 रन जोड़कर गंवाए। गेंदबाजी में हरियाणा की ओर से सुमित कुमार और हर्षल पटेल ने तीन-तीन विकेट अपने नाम किए। वहीं, राहुल तेवतिया की झोली में दो विकेट आए।

अंकित-अशोक ने खेली दमदार पारी

खिताबी मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी हरियाणा की शुरुआत अच्छी नहीं रही और युवराज सिंह सिर्फ एक रन बनाकर चलते बने। वहीं, हिमांशु राणा 10 रन बनाकर आउट हुए।

हालांकि, इसके बाद अंकित कुमार और कप्तान अशोक मेनारिया ने मोर्चा संभाला और तीसरे विकेट के लिए 124 रन की साझेदारी जमाई।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम स्पेन से 0—1 से हारी

वालेंसिया ,एजेंसी । भारतीय पुरुष हॉकी टीम पाँच देशों के टूर्नामेंट वालेंसिया 2023 के अपने पहले मैच में स्पेन से 0-1 से हार गई। मैच का एकमात्र गोल स्पेन के अल्वारो इग्लेसियस ने 29वें मिनट में किया। पहले क्वार्टर में दोनों टीमों ने एक-एक पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन कोई भी गोल करने में कामयाब नहीं हो पाई।

दूसरे क्वार्टर में स्पेन ने आक्रमण किया और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया, हालाँकि कृष्ण पाठक ने उसे बचा लिया। भारत पर दबाव साफ दिख रहा था। उसे ग्रीन कार्ड मिला और स्पेन ने तुरंत मौके का फायदा उठाया। अल्वारो इग्लेसियस ने भारत की रक्षापंक्ति में सेंध लगाई और गोल करके स्पेन को बढ़त दिला दी।

तीसरे क्वार्टर में दोनों टीमों के बीच अगला गोल करने के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली लेकिन कोई टीम गोल नहीं कर सकी। भारत ने आखिरी क्वार्टर में बराबरी की तलाश में दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किये हालाँकि, स्पेन ने दोनों बचा लिए। भारतीय टीम शनिवार को बेल्जियम से भिड़ेगी।

जोहान्सबर्ग में बल्लेबाजों का होगा बोलबाला या गेंदबाज लूटेंगे महफिल

नई दिल्ली। : टी-20 सीरीज 1-1 से बराबर रहने के बाद भारत और साउथ अफ्रीका की टीम अब तीन मैचों की वनडे सीरीज में एक-दूसरे के खिलाफ मैदान पर उतरेंगी। एकदिवसीय सीरीज का पहला मुकाबला 17 दिसंबर को जोहान्सबर्ग में खेला जाएगा। केएल राहुल की कप्तानी में टीम इंडिया सीरीज का आगाज जीत के साथ करना चाहेगी।

कैसी खेलती है जोहान्सबर्ग की पिच?

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच पहला वनडे मुकाबला जोहान्सबर्ग के द वांडरर्स मैदान पर खेला जाना है। वांडरर्स के मैदान पर बल्लेबाजों का बोलबाला रहता है। इस ग्राउंड पर जमकर चौके-छक्कों की बरसात होती है और अच्छा बाउंस होने की वजह से गेंद बल्ले पर आसानी से आती है। हालांकि, पिच से स्पिन गेंदबाजों को भी काफी मदद मिलती है, जिसका ताजा उदाहरण तीसरे टी-20 मुकाबले में देखने को भी मिला था।

भारतीय क्रिकेट टीम को बड़ा झटका, स्टार तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और दीपक चाहर साउथ अफ्रीका दौरे से आउट

केप टाउन ,एजेंसी । भारतीय क्रिकेट टीम इस समय दक्षिण अफ्रीका दौरे पर है। टी20 सीरीज 1-1 से बराबर होने के बाद अब दोनों टीमों के बीच वनडे और उसके बाद टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। इन सबके बीच टीम इंडिया को बड़ा झटका लगा हैं। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज दीपक चाहर वनडे सीरीज से हट गए हैं। जबकि, मोहम्मद शमी टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। इसकी जानकारी बीसीसीआई ने दी।

अधिकारिक सूत्रों के अनुसार चाहर ने बीसीसीआई को सूचित किया है कि वो फैमिली मेडिकल इमरजेंसी के कारण आगामी वनडे सीरीज के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। दीपक चाहर की गैरहाजिरी में उनकी जगह अब आकाश दीप वनडे टीम का हिस्सा होंगे। वहीं, वनडे वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा 24 विकेट लेने वाले मोहम्मद शमी को बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने टेस्ट मैच खेलने की मंजूरी नहीं दी है।

ऐसे में वर्ल्ड कप का यह स्टार गेंदबाज दो टेस्ट मैचों की सीरीज से बाहर हो गया है। ऐसे में वनडे और टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले टीम इंडिया को दो बड़े झटके लगे हैं। आपको बता दें कि 17 दिसंबर को जोहानिसबर्ग में पहला वनडे मैच खत्म होने के बाद श्रेयस अय्यर टेस्ट सीरीज के लिए टेस्ट टीम में शामिल होंगे। वह दूसरे और तीसरे वनडे के लिए उपलब्ध नहीं होंगे और इंटर-स्क्वाड गेम में हिस्सा लेंगे।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
—सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382—222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com